संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 254
पृष्ठ 8
गुरूवार
04 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अब घर पर बनाएं मार्केट...

विचार- शर्मिंदगी का पर्यटन

खेल- अक्तूबर से दिसंबर तक, 40 दिनों में...

सीएम योगी ने गोरखपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री का शुभारंभ किया, बोले-

सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी ने बुधवार को गोरखपुर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। उन्होंने कहा– भले ही रवि किशन आपको मुफ्त में फिल्म न दिखाते हों, लेकिन आपके बीच जरूर आते हैं। इस भीषण गर्मी में भी रवि किशन मुझसे कह रहे थे कि अगर आप कहें, तो मैं गीडा से गोरखपुर तक नंगे पैर पदयात्रा निकाल लूं। मैंने कहा कि अभी नहीं, बरसात होने दो, उसके बाद निकालिएगा। उनके अंदर काम करने का जज्बा है। नहीं तो कहते कि इतनी गर्मी है, मैं क्यों आऊं गोरखपुर। लेकिन वह दायित्वों का निर्वहन करने के लिए आपके बीच में हैं। पसीना आ रहा है, लेकिन भाषण दिए जा रहे हैं। योगी ने गोरखपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री का शुभारंभ किया। सीएम ने

बताया– यह ऐसा मॉडल है, जहां एक ही परिसर में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े 100 से अधिक उद्योग संचालित किए जा सकते हैं। यह गीडा के कर्मचारियों के लिए आवास योजना भी है। इसके तहत 100 परिवारों के लिए आवास की व्यवस्था की गई है। किसी ने दबंगई की तो पाताल से खोजकर लाएंगे सीएम योगी ने कहा– विकास सबका होगा, सुरक्षा सबको मिलेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति दबंगई के बल पर गरीबों के अधिकार छीनने, व्यापारियों को धमकाने या बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से खिलवाड़ करने का प्रयास करेगा, तो उसे सरकार छोड़ेगी नहीं। वह पाताल में भी छिप जाएगा, तो वहां से भी उसे बाहर लाकर सजा दी जाएगी। ऐसे लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। गीडा से 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला सीएम ने कहा– आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा के एक नए मॉडल के रूप में सामने आया है। बेहतर कानून–व्यवस्था का ही परिणाम है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आया और लाखों युवाओं को रोजगार मिला। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में पिछले 9 वर्षों के दौरान स्थापित उद्योगों के माध्यम से अकेले करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला है। इनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल और देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवा शामिल हैं। अगर प्रदेश में सुरक्षा और कानून–व्यवस्था का बेहतर माहौल न होता, तो इतने बड़े स्तर पर उद्योगों की स्थापना और रोजगार सृजन संभव नहीं हो पाता।

नए उद्योगों के साथ गीडा में जब पूरी बुकिंग हो चुकी है फैक्ट्रियां लग चुकी है। तो इसका विस्तार होने के बाद अब 7000 एकड़ में गीडा का विस्तार धुरियापार क्षेत्र में भी तेजी के साथ आगे बढ़ा है। यहां के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे से लखनऊ की दूरी को आसान कर दिया है। गोरखपुर से लखनऊ मात्र तीन साढ़े तीन घंटे में जा सकते है। पहले इसी दूरी पर चलने के लिए सात आठ घंटे लगते थे। आज आधा दूरी कम कर दिया। विकास की प्रक्रिया अनवरत रूप से ऐसे ही आगे बढ़ने चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्जवल हो सके। 9 सालों में गीडा बदल गया है और गीडा में यहां तो विकास हुआ ही है।

एसी ने रद्द की अग्रिम जमानत, कहा-

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो क्या होगा?

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कथित जबरन वसूली के तीन पुलिस अधिकारियों आरोपी की अग्रिम जमानत रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा, जब कानून लागू करने वाले अधिकारी जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखता है और दुविधा में पड़ जाता है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और के विनोद चंद्रन की पीठ ने बॉम्बे उच्च न्यायालय की ओर से पारित आदेश को अस्पष्ट बताते हुए रद्द कर दिया। पीठ ने कहा, विरोध करना तत्काल प्रतिशोध को न्योता देना है और एकमात्र विकल्प वर्दीधारी अधिकारियों के सामने चुपचाप आत्मसमर्पण करना है। इस मामले में, शिकायतकर्ता अपनी बेटी के साथ मुंबई से हापा दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा कर रहा था। उन्हें और उनके बहनोई को, जो उन्हें छोड़ने आए थे। रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ का पता लगाने वाले पुलिसकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। यात्री के सामान की तलाशी के दौरान 14 ग्राम सोने की छड़ और 31,900 रुपये नकद बरामद हुए। संतोषजनक स्पष्टीकरण देने के

बावजूद, वर्दीधारी पुलिसकर्मियों में से एक तीनों को पास के एक कमरे में ले गया, जहां उन्हें धमकाया गया और मौखिक रूप से गाली दी गई। उन्हें सोने की छड़ के बदले नकद देने के लिए मजबूर किया गया। शिकायतकर्ता ने एफआईआर दर्ज कराई जिसके बाद सत्र न्यायालय ने अधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इस मामले में उच्च न्यायालय ने जांच के दौरान मिले सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद तीनों अधिकारियों को अग्रिम जमानत दे दी, जिसमें पाया गया कि आरोपियों ने पहचान पत्र पहन रखे थे। पीठ ने कहा हमें आश्चर्य है कि उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की कि उनमें संकट का कोई संकेत नहीं है, विशेषकर तब जब फुटेज में उनके भाव स्पष्ट नहीं हैं। हमने यह भी देखा कि दोनों वयस्क आगे बढ़ रहे थे, उनमें से एक अपने हाथों से बेचैनी से इशारे कर रहा था जबकि बच्चा पीछे–पीछे चल रहा था, जो संकट का स्पष्ट संकेत है।श कोर्ट ने आगे कहा कि हमें यह भी पता चला है कि बंद कमरे के अंदर बिताया गया समय पुलिसकर्मियों के लिए शिकायत में उल्लिखित कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त था, जिसे हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि किसी भी स्थिति में आपराधिक मुकदमे में साबित करना होगा।

दिल्ली के हौज रानी अग्निकांड के बाद प्रशासन के दावों पर उठे बड़े सवाल

नयी दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का मालवीय नगर इलाका बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे से दहल उठा। यहाँ के हौज रानी क्षेत्र में स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट की इमारत में अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे और धुएं के बीच अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है क्योंकि मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। यह पूरा परिसर बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के तहत चलाया जा रहा था। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली सरकार ने इस जगह पर सिर्फ 6 कमरे चलाने की मंजूरी दी थी। इसके विपरीत, मालिक ने नियमों को ताक पर रखकर इमारत में 25 कमरे तैयार कर दिए थे। यहाँ तक कि बेसमेंट में भी व्यावसायिक गतिविधियां और कमरे संचालित हो रहे थे, जिसने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 8.30 बजे जैसे ही बेसमेंट से आग की लपटें उठनी शुरू हुईं, पूरी बिल्डिंग में चीख–पुकार मच गई। जहरीला धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। चारों तरफ रास्ता ब्लॉक होने के कारण लोग जान बचाने के लिए छत की तरफ भागे, तो कुछ ने बदहवासी में खिड़कियों से नीचे छलांग लगा दी। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन की टीमें राहत कार्य के लिए दौड़ीं। आग बुझाने के काम में दमकल की 10 गाड़ियों को लगाया गया। रेस्क्यू टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए अब तक 37 लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, झुलसे हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख कर रही है। मौके पर पहुंचे एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को अलर्ट कर दिया गया था। शुरुआती जांच के अनुसार, इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट था और आग बेसमेंट से फैलनी शुरू हुई। फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है, लेकिन फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स शॉर्ट सर्किट और अन्य तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। प्रशासन ने इस गंभीर लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड ट्रैकिंग हादसा या कुछ और? 5 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, साथ आए दो युवकों में से एक यूपी का शख्स

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड के दयारा बुग्याल में लापता महिला ट्रैकर की खोज अब एक रहस्यमयी झील पर आकर टिक गई है। पांच दिनों के मैराथन सर्च ऑपरेशन के बाद भी जब बबीता पांडेय का कोई सुराग नहीं मिला, तो जांच एजेंसियों ने कैंप साइट के पास स्थित इस झील की गहराई नापने का फैसला किया है। अब तक सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस समेत करीब 150 जवानों ने जंगलों और पहाड़ी ढलानों को छान मारा है। क्योंकि टीम को जमीनी रास्तों पर कोई कामयाबी नहीं मिली, इसलिए अब फोकस इस रहस्यमयी झील पर शिफ्ट हो गया है। जल्द ही एसडीआरएफ की 6 सदस्यीय डीप ड्राइव टीम अत्याधुनिक उपकरणों के साथ पानी के भीतर उतरकर सूक्ष्मता से जांच शुरू करेगी। इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ी पहेली यह है कि उस दिन ट्रैक पर असल में क्या हुआ था? पुलिस को इस घटना की जानकारी काफी विलंब से दी गई, जिससे शुरुआती कीमती घंटों में खोज कार्य प्रभावित हुआ।

39,290 करोड़ रुपये की छह बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी

देश में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को विश्वस्तरीय बनाने के उद्देश्य

मुंबई,एजेंसी। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने और विमानन क्षेत्र को वित्तीय झटकों से बचाने के लिए कुल 39,290 करोड़ रुपये के छह अहम प्रोजेक्ट्स को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इन नीतिगत फैसलों का सीधा असर देश की एविएशन इंडस्ट्री की बैलेंस शीट, कमर्शियल परिवहन व्यवस्था और राज्यों की इंटर–सिटी कनेक्टिविटी पर पड़ेगा। इस मेगा पैकेज में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए एक विशेष फंड बनाने के साथ–साथ दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने और चार प्रमुख राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क को रफ्तार देने पर रणनीतिक फोकस किया गया है। कैबिनेट के मौजूदा फैसलों में कुल स्वीकृत बजट का एक बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर विमानन क्षेत्र की स्थिरता और राष्ट्रीय राजधानी के पर्यावरण सुधार के लिए रखा

गया है। ईंधन की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाले भारी उतार–चढ़ाव से घरेलू विमानन कंपनियों को बचाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एटीएफ प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड स्थापित करने का अहम फैसला किया गया है। एविएशन इंडस्ट्री लंबे समय से ईंधन की अस्थिर लागत से जूझ रही थी। यह फंड एयरलाइंस की परिचालन लागत को स्थिर रखने और मार्जिन को सुरक्षित करने में मददगार साबित होगा। पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतें मार्च 2026 में 60.5 रुपये से बढ़कर मई 2026 में 142 रुपये प्रति लीटर हो गईं। एटीएफ एयरलाइंस की परिचालन लागत का 40 फीसदी है, जिससे एयरलाइंस और तेल विपणन कंपनियां प्रभावित हुईं। इस स्थिति से निपटने के लिए कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपये के एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष को मंजूरी दी है। सरकार ने घरेलू परिचालन के लिए एटीएफ की कीमत 75.6 रुपये प्रति लीटर तय की है। यह आत्मनिर्भर कोष घरेलू व अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए उपलब्ध रहेगा। यह भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ कीमतें स्थिर करेगा। इससे हवाई यात्रियों को किराए में वृद्धि से बचाया जा सकेगा और 77 लाख नौकरियों की रक्षा होगी। यह विमानन परिचालन को व्यवहार्य बनाए रखकर सार्वजनिक निवेश व कनेक्टिविटी को सुरक्षित रखेगा। राजधानी दिल्ली में बढ़ते एमिशन (उत्सर्जन) और वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए एक विशेष योजना पेश की गई है। इसके तहत पुराने ट्रकों और बसों को सड़कों से हटाने की योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दी है, जिसके लिए 5,041 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। देश में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को विश्वस्तरीय बनाने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने कुल 39,290 करोड़ रुपये के इस पैकेज में से 24,249 करोड़ रुपये (कुल राशि का लगभग 62 प्रतिशत) केवल नई सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं के लिए आवंटित किए हैं। इन परियोजनाओं से ओडिशा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और बिहार में माल ढुलाई और व्यापारिक परिवहन अधिक सुगम होगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं के नामों का किया एलान

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी ने जनता और मीडिया से बात करने के लिए तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है। सीजेपी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट कॉकरोच इज बैक के जरिए सोशल मीडिया पर इन नियुक्तियों की जानकारी दी। पोस्ट के अनुसार, खोजी पत्रकार सौरव दास को पार्टी का मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। इनके अलावा, राजनीतिक शोधकर्ता, लेखिका और फिल्म निर्माता विजेता दहिया तथा आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र और वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी मैकिंजी से जुड़े रहे आशुतोष रांका को भी पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। सीजेपी ने कहा है कि वह भारत में राजनीतिक विमर्श को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है और इस पहल का नेतृत्व नई पीढ़ी के नेता करेंगे। पोस्ट में दावा किया गया है कि पार्टी का उद्देश्य देश में नई राजनीतिक सोच और संवाद को बढ़ावा देना है, जिसके लिए युवा नेतृत्व को आगे लाया जा रहा है। सौरव दास को कानूनी, न्यायिक और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित पत्रकारिता करने का अनुभव है। सीजेपी ने दावा किया है कि साल 2025 में इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन हुआ था, उसमें सौरव दास की प्रमुख भूमिका थी। वहीं विजेता दहिया यूट्यूब पर कई शोध और कंटेंट क्रिएशन कर चुकी हैं। विजेता दहिया ने किताबें भी लिखी हैं। साथ ही कुछ क्षेत्रीय फिल्मों में लेखन और निर्देशन भी किया है। आईआईटी, कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र रहे आशुतोष रांका लंदन में प्रतिष्ठित परामर्श कंपनी मैक्किंजे में काम कर चुके हैं और बीते साल भारत लौटे हैं। आशुतोष रांका पर्यावरण शिक्षा और युवाओं से जुड़े विभिन्न अभियानों से जुड़े हैं। कॉकरोच जनता पार्टी नामक सोशल मीडिया अभियान के संस्थापक अभिजीत दीपके ने एलान किया है कि वे 6 जून को भारत आ रहे हैं। अभिजीत दीपके फिलहाल अमेरिका में हैं।

2026 का महिला श्री साहित्य साधना सम्मान दिया जाएगा शहर समता विचार मंच की कार्यक्रम संयोजक जबलपुर से उमा मिश्रा प्रीति को

प्रयागराज। जबलपुर की प्रतिष्ठित कवयित्री कहानीकार उमा मिश्रा प्रीति को वर्ष 2026 का महिला श्री साहित्य साधना सम्मान दिया जाएगा।

यह सम्मान उनकी साहित्यिक उपलब्धि के लिए और साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए दिया जा रहा है। वरिष्ठ साहित्यकार उमा मिश्रा प्रीति को उनकी रचनाधर्मिता पर अनेक साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित भी किया जा चुका है।

बगावत व टूट के बीच तृणमूल कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, सभी कमेटियां और फ्रंटल संगठन भंग

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चल रहे राजनीतिक उथल– पुथल और विधायकों के कथित बगावत के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने संगठनात्मक स्तर पर एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। पार्टी नेतृत्व ने सभी कमेटियों के साथ–साथ अपने सभी फ्रंटल (अग्रिम) संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग करने की घोषणा की है। इस फैसले को संगठन के भीतर बढ़ती अस्थिरता और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के मद्देनजर एक बड़े पुनर्गठन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। टीएमसी की ओर से यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी आधिकारिक बयान के माध्यम से दी गई। बयान में कहा गया कि पार्टी आने वाले दिनों में व्यापक स्तर पर आत्ममंथन और संगठनात्मक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत पार्टी के हर स्तर पर प्रदर्शन की समीक्षा (परफॉर्मेंस रिव्यू) की जाएगी। इसके साथ ही यह भी आकलन किया जाएगा कि जमीनी स्तर पर संगठन की स्थिति कैसी है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि यह कदम केवल अस्थायी नहीं है, बल्कि एक बड़े पुनर्गठन की दिशा में उठाया गया निर्णय है। समीक्षा प्रक्रिया के दौरान जो भी निष्कर्ष सामने आएंगे, उनके आधार पर पार्टी के मूल ढांचे और सभी फ्रंटल संगठनों का नया स्वरूप तैयार किया जाएगा। टीएमसी ने यह भी कहा है कि नई कमेटियों और पदाधिकारियों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। फिलहाल सभी मौजूदा संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया गया है ताकि एक निष्पक्ष और व्यापक मूल्यांकन किया जा सके। पार्टी का मानना है कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए आत्ममंथन और ईमानदार मूल्यांकन बेहद जरूरी है। इसलिए आने वाले समय में हर स्तर पर कार्यकर्ताओं, नेताओं और संगठनात्मक इकाइयों के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संगठन में मौजूद कमजोरियों की पहचान की जा सके और मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब राज्य की राजनीति में टीएमसी को विधायकों की कथित बगावत और आंतरिक असंतोष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्य परिवार हत्याकांड में पुलिस की लापरवाही पर गिरी गाज, चौकी प्रभारी समेत दो पुलिसकर्मी निलंबित

प्रयागराज। साउथ मलाका चौराहा के पास कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। साउथ मलाका चौराहा के पास कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में कोतवाली थाने में तैनात नाइट इंचार्ज मुलायम सिंह यादव और साउथ मलाका चौकी प्रभारी रोहित गौड़ को निलंबित कर दिया

गया है। हत्या की वारदात के बाद जब देर रात करीब एक बजे आरोपी शनि गुप्ता अपने घर नहीं पहुंचा तो उसका भाई साउथ मलाका चौकी पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई। आरोप है कि पुलिस ने सूचना को गंभीरता से नहीं लिया और समय रहते आवश्यक कार्रवाई नहीं की। बाद में साउथ मलाका स्थित बंद मकान से वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक के शव बरामद होने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। प्रकरण की समीक्षा के बाद पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए नाइट इंचार्ज मुलायम सिंह यादव और चौकी प्रभारी रोहित गौड़ को निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

तीन दिन पहले ब्याही विवाहिता का फंदे पर लटका मिला शव, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। 29 मई को प्रेम विवाह करने वाली विवाहिता का शव मंगलवार को कमरे में फंदे पर लटका मिला। सूचना पर नैनी पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। 29 मई को प्रेम विवाह करने वाली विवाहिता का शव मंगलवार को कमरे में फंदे पर लटका मिला।

सूचना पर नैनी पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने विवाहिता के मायके वालों को जानकारी दी है। नैनी के काजीपुर मोहल्ला निवासी गणेश केसरवानी पुत्र श्याम सुंदर केसरवानी नैनी में ही प्राइवेट जॉब करते हैं। उनकी शादी बीते 29 मई को चंदौली के मुगलसराय के डीह बिलारी गांव निवासी अशोक बिंद की बेटी संजना बिंद के साथ हुई थी। दोनों ने परिजनों की मौजूदगी में श्रीराम जानकी मंदिर में शादी की थी। शादी के बाद 30 मई को संजना (25) अपने ससुराल काजीपुर आ गई। सोमवार की रात संजना का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पति गणेश ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सोमवार रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चले गए थे। रात करीब तीन बजे उठे तो संजना कमरे में नहीं थी। वह उसे ढूंढ़ते हुए छत पर गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो कमरा अंदर से बंद था। लोहे का दरवाजा खोलने की की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। परिजनों को बुलाया। उन्होंने खिड़की से कमरे के अंदर देखा तो संजना साड़ी के फंदे के सहारे लटकी थी। एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह का कहना है कि दरवाजा अंदर से बंद था। युवती का शव छत के चुल्ले से लटका था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मायके वाले आरोप लगाते हैं तो मामले की जांच की जाएगी।

कूलर में करंट से 10 माह के मासूम की मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के भरारी द्वितीय गांव के बैरहवा मजरे में मंगलवार दोपहर कूलर में उतरे करंट की चपेट में आने से 10 माह के मासूम की मौत हो गई। रामसेवक विश्वकर्मा का बेटा रितिक दोपहर करीब तीन बजे घर के अंदर जमीन पर रखे कूलर के पास पहुंच गया। कूलर में करंट उतर रहा था, जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। बच्चे की रोने की आवाज सुनकर मां सुषमा देवी पहुंचीं। उसे कुखुड़ी गांव स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने हालत गंभीर देखते हुए शहर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में भीरपुर स्थित एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से पिता रामसेवक और मां सुषमा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में उसकी बड़ी बहन रितिका है।

बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ी, आक्रोश

प्रयागराज। क्षेत्र के नसरतपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को सोमवार रात अराजक तत्वों ने तोड़ दिया। मंगलवार सुबह जानकारी होने पर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंची। दोपहर में दूसरी प्रतिमा स्थापित की गई तब लोगों का गुस्सा शांत हुआ। विनोद कुमार वर्मा ने मंगलवार को सोरांव थाने पर तहरीर देकर बताया कि नसरतपुर गांव में चार वर्ष पहले डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा विद्यालय में लगाई थी। इसे सोमवार की रात अज्ञात लोगों तोड़ दिया। आरोप है कि एक वर्ष पहले भी अराजक तत्वों ने बाबा साहब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था। सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त श्यामजीत प्रमिला सिंह और थाना प्रभारी केशव वर्मा पहुंचे और दोपहर करीब दो बजे दूसरी प्रतिमा स्थापित कराई। एसीपी ने कहा कि नई प्रतिमा लगवा दी गई है।

रेलवे लाइन की पटरी काटकर ले जाते चार लोग गिरफ्तार

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र नैनी स्थित बंद पड़ी त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड (टीएसएल) के अंदर बिछाई गई रेलवे लाइन की पटरी काटकर ले जा रहे चार लोगों को नैनी पुलिस ने कंपनी के बाहर से गिरफ्तार किया है। उनके पास से रेलवे लाइन की पटरी, लदी हुई डीसीएम, एक चार पहिया वाहन, घटना में प्रयुक्त दो ऑक्सीजन गैस सिलिंडर बरामद किया गया है।

जिस बेटे को शरीफ मानते थे लोग, उसी ने माता-पिता और बहन का किया कत्ल, खुद भी मारा गया

प्रयागराज। साउथ मलाका में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। मंगलवार को कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे की लाश घर में पाई गई थी। सिर को कूंचकर उनकी हत्या की गई थी। हत्या को अंजाम रविवार को ही दिया गया था। जिस बेटे की लाश कारोबारी के साथ पाई गई थी, उसी ने दोस्त के साथ मिलकर माता-पिता और बहन की हत्या की थी। इसके बाद दोस्त के हाथों वह भी मारा गया।

शहर के साउथ मलाका में हुए कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे के सामूहिक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या को अंजाम कारोबारी के बेटे ने ही दिया था, जो बाद में खुद भी बंटवारे के विवाद दोस्त के हाथों मारा गया। पुलिस के अनुसार कारोबारी के बेटे अभिषेक ने ही अपने एक दोस्त की मदद से अपने माता-पिता, बहन की हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखे सारे जेवरात लूट लिए। बंटवारे को लेकर विवाद होने के बाद दोस्त ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार रविवार को हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, जबकि बदबू आने पर मंगलवार को घटना का पता चला था। इस मामले में चौकी इंचार्ज समेत दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

अपने दोस्त को साथ मिलकर बनाई हत्या की योजना

अभिषेक वैश्य ने अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर अपने ही घर में लूटपाट और माता-पिता और बहन के सफाए की योजना बनाई। उसके बुलावे पर शनि गुप्ता रविवार की रात को धारदार हथियार लेकर आ गया। पहले दोनों ने बैठकर बीयर पी। इसके बाद दोनों को मिलकर कारोबारी, उनकी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद पूरे घर में लूटपाट कर जेवरात और नकदी को एकत्र किया। मौके पर ही दोनों

के बीच लूट के माल के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद शनि गुप्ता ने अभिषेक की भी हत्या कर दी। बहुत ही शातिर तरीके से उसने गत्ते पर लिख दिया, बंटी और बबली ने मारा है। ताकि हत्या का आरोप कारोबारी के छोटे बेटे और बहू पर लगे। छोटा बेटा फिलहाल जेल में बंद है।

फुटेज ने खोला राज

एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में एक व्यक्ति मृतक वीरेंद्र वैश्य के कपड़े और जूते पहनकर परिसर से निकलता दिखाई दिया। स्थानीय लोगों से पूछताछ में उसकी पहचान शनि गुप्ता के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मटियारा क्षेत्र स्थित उसके घर से उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में कबूला पूरा घटनाक्रम

पुलिस पूछताछ में आरोपी शनि गुप्ता ने बताया कि उसकी दोस्ती अभिषेक वैश्य से थी। अभिषेक आर्थिक तंगी और संपत्ति विवाद से परेशान था। दोनों ने मिलकर परिवार की हत्या और जेवर लूटने की योजना बनाई। 31 मई की शाम सबसे पहले बहन मीनाक्षी की हत्या की गई। इसके बाद माता-पिता वीरेन्द्र और अनीता वैश्य को लोहे की रॉड से मार डाला गया। वारदात के बाद दोनों ने हत्या को दूसरे लोगों पर थोपने की कोशिश भी की।

जेवरों के लालच में दोस्त को भी मार डाला

परिवार के तीन सदस्यों की हत्या के बाद जब जेवरों के बंटवारे की बात आई तो शनि और अभिषेक के बीच विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार लालच में आकर शनि ने अभिषेक की भी लोहे के पाइप से हत्या कर दी। इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए शवों पर डिटर्जेंट, हार्पिक, ब्लीचिंग पाउडर, हल्दी और सरसों का तेल डाला और घटनास्थल की सफाई की।

एक किलो से अधिक जेवर बरामद

गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, 1002. 12 ग्राम सोने के आभूषण, 360. 56 ग्राम चांदी के आभूषण और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में लूट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।

पुलिस टीम को मिलेगा 50 हजार का इनाम

हत्याकांड का महज 12 घंटे में सफल अनावरण करने वाली एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम को पुलिस विभाग की ओर से 50 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है। पुलिस आयुक्त ने टीम की सराहना करते हुए इसे तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी की सिर कूंचकर हत्या

मंगलवार को शहर के बीचों-बीच साउथ मलाका चौराहा स्थित मकान में कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। दुर्गंध आने पर घर का ताला तोड़ा गया तो कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), पत्नी अनीता (65), बेटी मीनाक्षी (45) और बेटे अभिषेक (40) के शव अलग-अलग कमरे में खून से लथपथ पड़े मिले। चारों के सिर पर गहरी चोट के निशान थे। शुरुआती जांच में करोड़ों रुपये की संपत्ति के लालच में वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई गई है।

हर माह आता था करीब एक लाख रुपये किराया

वीरेंद्र कुमार वैश्य साउथ मलाका चौराहा स्थित अपने घर में पत्नी, बेटी और बड़े बेटे के साथ रहते थे। छोटे बेटे अश्वनी को उन्होंने करीब 15 साल पहले संपत्ति से बेदखल कर दिया था। करीब 200 वर्ग गज के इस मकान के भूतल में 14 दुकानें हैं। इनमें 12 किरायेदार हैं। उक्त दुकानों से हर महीने एक लाख रुपये से अधिक का किराया आता है। एक दुकान अभिषेक की है। दूसरी बेटी मीनाक्षी की है। मीनाक्षी ने हाल ही में गिफ्ट गैलरी के नाम से काम शुरू किया था। इस दुकान पर बेटी के साथ वीरेंद्र भी बैठते थे। वीरेंद्र की पत्नी अनीता बीमारी की वजह से पहली मंजिल पर बने कमरे में रहती थीं।

बाहर से जड़ा हुआ था ताला

मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी कि मकान से तेज दुर्गंध आ रही है। कोतवाली पुलिस पहुंची तो घर में ताला जड़ा हुआ था। ताला तोड़कर पुलिस ऊपर कमरे में पहुंची तो वीरेंद्र और उनकी पत्नी के शव बेड पर पड़े थे। खोजबीन के दौरान बगल वाले कमरे में बेटी का शव फर्श पर पड़ा मिला। उसके सिर पर गहरे चोट के निशान थे। पुलिस ने भारी वस्तु से हमला करने की आशंका जताई है। तीनों के शव मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजय पाल शर्मा, डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य, नीरज पांडेय समेत अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

पूरा मकान खंगालने के बाद दुकान में मिला बेटे का शव

पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार के निर्देश पर पूरे मकान को खंगाला गया। घर के एक-एक कमरे की स्थिति समझी गई। इस दौरान तीन शव मिलने की बात ही सामने आई। चर्चा होती रही कि बेटा लापता है। इसी बीच पुलिस ने दुकान खुलवाई तो देर शाम बेटे अभिषेक का शव भी पड़ा मिला। उसके सिर पर भी गंभीर चोट के निशान थे। चेहरा काला पड़ा हुआ था। उसे पहचानना मुश्किल हो रहा था। आसपास के लोगों से पहचान कराई गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वीरेंद्र कुमार किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करते थे। रविवार सुबह घर के बाहर उन्हें सफाई करते देखा गया था। आखिरी बार दोपहर करीब 12 बजे देखा गया। बेटा घर के बाहर घूम रहा था। इसके बाद से किसी को कुछ पता नहीं है। सोमवार व मंगलवार को गिफ्ट की दुकान नहीं खोली गई थी। दुर्गंध आई तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

लखनऊ, जौनपुर और चित्रकूट में पकड़े गए चार मुन्नाभाई, दूसरे की जगह दे रहे थे टीजीटी परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की ओर से आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) 2022 भर्ती परीक्षा में चार मुन्नाभाई पकड़े गए हैं। बॉयोमेट्रिक सत्यापन में इनको लखनऊ, मिर्जापुर, जौनपुर और चित्रकूट में परीक्षा केंद्रों पर पकड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की ओर से आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) 2022 भर्ती परीक्षा में चार मुन्नाभाई पकड़े गए हैं। बॉयोमेट्रिक सत्यापन में इनको परीक्षा केंद्रों पर पकड़ा गया है। लखनऊ, मिर्जापुर, जौनपुर और चित्रकूट में चारों मुन्नाभाई दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। बॉयोमेट्रिक जांच में पकड़ में

आने के बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। बरेली के एक संदिग्ध परीक्षार्थी के आधार कार्ड की जांच संदेह के आधार पर की जा रही है।

36 केंद्रों पर चल रही परीक्षा

यूपीईएसएससी की ओर से टीजीटी परीक्षा प्रदेश के 36 केंद्रों पर आयोजित की गई है। यह परीक्षा तीन और चार जून को दो-दो पालियों में होगी। परीक्षा की निगरानी के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। एआई आधारित एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से इसकी निगारानी की जा रही है। साथ ही एसटीएफ की टीमें भी परीक्षा को सकुलश संपन्न कराने के लिए अलर्ट मोड में हैं।

परीक्षा के लिए सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुट गई थी। सघन तलाशी के बाद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। करीब चार वर्ष बाद हो रही टीजीटी 2022 परीक्षा में 8,68,531 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। प्रयागराज समेत प्रदेश के 36 जिलों में 614 केंद्रों पर सुबह 9रू30 बजे से 11रू30 बजे और 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक परीक्षा होगी।

शास्त्री पुल की एक लेन पर की गई बैरिकेडिंग, जारी किया गया डायवर्जन प्लान

प्रयागराज। प्रयागराज-वाराणसी को जोड़ने वाले शास्त्री पुल की मरम्मत का कार्य बुधवार से शुरू हो गया। मंगलवार को झूंसी से प्रयागराज जाने वाली लेन पर बैरिकेडिंग की गई। साढ़े तीन किलोमीटर लंबे शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य 15 जुलाई तक चलेगा।

प्रयागराज-वाराणसी को जोड़ने वाले शास्त्री पुल की मरम्मत का कार्य बुधवार से शुरू हो गया। मंगलवार को झूंसी से प्रयागराज जाने वाली लेन पर बैरिकेडिंग की गई। साढ़े तीन किलोमीटर लंबे शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य 15 जुलाई तक चलेगा। वनवे ट्रैफिक नियम लागू होने के साथ ही डायवर्जन प्लान भी जारी किया गया है। शास्त्री पुल की मरम्मत के दौरान बुधवार की सुबह पांच बजे से बस, ट्रक, ट्रैक्टर-टॉली समेत भारी वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे। झूंसी से प्रयागराज की ओर आने वाली पुल की लेन पर केवल छोटे और हल्के चार पहिया व दो पहिया वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने बताया कि पुल की बेयरिंग की मरम्मत का कार्य पहले ही कराया जा चुका है। अगले 43 दिनों के लिए मिले ब्लॉक के दौरान सबसे पहले दारागंज से झूंसी आने वाली लेन की सड़क की एक परत को उखाड़ा जाएगा। फिर प्रभावित लेन की एक्सपेंशन ज्वाइंट का निरीक्षण किया जाएगा। जिन-जिन जगहों पर ज्वाइंट खराब मिलेंगे, उसे बदला जाएगा। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञों की टीम लगातार मरम्मत कार्य की निगरानी करेगी। मंगलवार को झूंसी से प्रयागराज जाने वाली लेन पर लोहे के बैरियर को रस्सी से बांधकर शास्त्री पुल पर बैरिकेड किया गया है।

अगले 43 दिनों तक दोनों लेन के वाहनों को इसी लेन से गुजारा जाएगा। इसके साथ ही झूंसी पुलिस ने हाईवे की आगे की सड़क पर सुचारू यातायात के लिए अपनी तैयारी की है। एसओ झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि सुगम यातायात के लिए हाईवे पर टीकरमाफी मोड़, झूंसी थाने के सामने, पंत संस्थान मोड़ और झूंसी पुलिस बूथ पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बीच में बंद किए गए रास्तों को खोला भी जा सकता है।

इतिहास शोध की नई राहों से रूबरू होंगे शोधार्थी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास विभाग में मंगलवार को इतिहास विषय के शोधार्थियों के प्री-पीएचडी कोर्स वर्क का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. हेरंब चतुर्वेदी ने कहा कि इविवि के इतिहासकारों की विशिष्ट कार्यशैली है। इसे इलाहाबाद स्कूल ऑफ हिस्ट्री के नाम से जाना जाता है। इसकी विश्व स्तर पर अलग पहचान है। कोर्स समन्वयक डॉ. पीएस हरीश ने कहा कि कोर्स वर्क के दौरान शोधार्थियों को शोध पद्धति के साथ-साथ

कंप्यूटर के उपयोग, साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज्म) से बचाव और ऑनलाइन संसाधनों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान की प्रो. अर्चना सिंह ने कहा कि शोधार्थियों को अन्य विषयों की शोध विधियों व दृष्टिकोणों की जानकारी भी प्राप्त करना चाहिए। इविवि के केंद्रीय लाइब्रेरी के अध्यक्ष डॉ. बीके सिंह ने कहा कि ऑनलाइन संसाधनों ने शोध के नए अवसर खोले हैं लेकिन साहित्यिक चोरी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दुरुपयोग जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। इसके प्रति शोधार्थियों को सजग रहना होगा।

ईश्वर शरण महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. धीरज चौधरी ने शोध विषयों के चयन में समसामयिक समस्याओं और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक प्रसाद ने की। संचालन डॉ. संतोष कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुलदीप कुमार मिश्र ने किया। इस मौके पर डॉ. आनंद प्रताप चंद, डॉ. चंद्रभान यादव, डॉ. शिवशंकर श्रीवास्तव, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. रफाक अहमद, डॉ. शिप्रा नंदन, डॉ. अंजुल, सुशील यादव, प्रांजल बरनवाल आदि मौजूद रहे।

कार्य बहिष्कार कर दिया धरना

प्रयागराज। नियमों की अनदेखी करके मनमाने तरीके से किए गए स्थानांतरण व आश्वासन के बाद भी संगठन की मांगों पर प्रभावी कदम न उठाए जाने से लेखपाल नाराज हैं। लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष अजयकुमार तिवारी की अगुवाई में लेखपालों ने कार्य बहिष्कार किया और धरने पर बैठ गए। इस मौके पर विनोद तिवारी, ज्ञानेंद्र सिंह, जीतलाल सरोज, अशर्फीलाल, सुधा सिंह, आकांक्षा श्रेष्ठ, दीक्षा प्रजापति मौजूद रहे।

लेखपालों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। जिले में हाल ही में हुए लेखपालों के स्थानांतरण के बाद से कर्मचारियों में नाराजगी है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज के बैनर तले लेखपालों ने तबादलों के विरोध में प्रदर्शन किया। संघ पदाधिकारियों का आरोप है कि जिले में करीब 120 लेखपालों का स्थानांतरण किया गया है। आरोप है कि कई कर्मचारियों का तबादला निर्धारित नियमों की अनदेखी कर दूरस्थ क्षेत्रों में कर दिया गया है। वहीं कई तहसील अध्यक्षों और मंत्रियों के स्थानांतरण को लेकर भी कर्मचारियों में असंतोष है।

संक्षिप्त

सुभासपा ने जारी की मीडिया पैनलिस्ट की सूची, अनिल राजभार और पियूष मिश्रा को बनाया राष्ट्रीय प्रवक्ता

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठन को नई ऊर्जा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पार्टी के मुखिया और यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट मंत्री ओपी राजभार ने बुधवार को मीडिया में पार्टी का पक्ष रखने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर प्रवक्ता की सूची जारी कर दी है। मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि यह टीम पार्टी की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों को जन–जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। आगामी चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक विस्तार में ये प्रवक्ता और पैनलिस्ट सक्रिय रूप से काम करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चयनित पैनलिस्ट और प्रवक्ताओं को विभिन्न जिलों, महानगरों और बूथ स्तर पर पार्टी की बात को मजबूती से रखने की जिम्मेदारी दी गई है। सूची में शामिल नामों की विस्तृत जानकारी जल्द ही सार्वजनिक किए जाने की संभावना है। यह फैसला सुभासपा को आगामी राजनीतिक घटनाक्रम में बेहतर संचार और संगठनात्मक मजबूती प्रदान करेगा।

जून की शुरुआत के साथ ही बढ़ने लगी गर्मी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में जून की शुरुआत के साथ ही गर्मी बढ़ने लगी है। आज, बुधवार सुबह 7 बजे तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले छह दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। जिससे लोगों को तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ सकता है। विभाग ने हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। सुबह से ही तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। सुबह 8 बजे के बाद तापमान में तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई और दोपहर तक इसके 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल आसमान साफ रहने के कारण बारिश की संभावना नहीं है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार हवा की गति महज 2 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जिससे गर्म हवाओं से राहत मिलने की संभावना कम है। वहीं, आर्द्रता का स्तर 63 प्रतिशत रहने के कारण उमस भी लोगों को परेशान कर सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री, शुक्रवार और शनिवार को 39 डिग्री तथा रविवार तक इसके 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक प्रदेश की राजधानी में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। ऐसे में दोपहर के समय घर से बाहर निकलने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जा रही है।

हज यात्रा पूरी कर वापस लौटे यात्रीयों का लखनऊ एयरपोर्ट पर गर्मजोशी के साथ स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। हज यात्रा पूरी कर वापस लौट रहे यात्रियों का लखनऊ एयरपोर्ट पर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यात्रियों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गईं, जहां उन्हें फूलों के साथ सम्मान दिया गया। यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट परिसर में कई व्यवस्थाएं की गईं। भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सियों की व्यवस्था की गई, वहीं राहत के लिए वॉटर कूलर और एयर कूलर भी लगाए गए, ताकि यात्रियों को गर्मी से परेशानी न हो। इसके अलावा यात्रियों के खाने–पीने का भी खास ख्याल रखा गया। एयरपोर्ट की तरफ से स्टॉल लगाए गए, जहां यात्रियों और उनके परिजनों के लिए कम कीमत पर खाने–पीने की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। हज यात्रियों के आगमन और प्रस्थान को सुगम बनाने के लिए एयरपोर्ट पर जगह–जगह क्यू मैनेजर्स लगाए गए, जिससे भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके और यात्रियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।वहीं, कुछ यात्रियों के सामान को लेकर भी समस्या सामने आई। जानकारी के मुताबिक कुछ यात्रियों का लगेज फ्लाइट के साथ नहीं पहुंच पाया। इस मामले में एयरपोर्ट प्रशासन ने एयरलाइन कंपनी फ्लाइनास को निर्देश जारी किए हैं और यात्रियों के सामान को लेकर लापरवाही न बरतने को कहा गया है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो। एयरलाइन की ओर से बताया गया है कि जो सामान फ्लाइट में नहीं आ पाया है, उसे अगली निर्धारित फ्लाइट के जरिए यात्रियों तक पहुंचाया जाएगा। हज यात्रा से लौटे यात्रियों ने भी एयरपोर्ट की व्यवस्थाओं की सराहना की।

मौसी पर रखता था गलत नजर, मामा ने मार डाला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ की इटौंजा पुलिस ने आइसक्रीम पार्लर संचालक सचिन सिंह (22) की हत्या का आज, 3 जून को खुलासा कर दिया। उसकी हत्या रिश्ते के मामा ब्रजेश सिंह (26) ने की थी। उसे शक था कि सचिन उसकी बहन यानी अपनी मौसी पर गलत नजर रखता था। इसी वजह से उसने शराब पार्टी के बहाने सचिन को बुलाया। उसे शराब पिलाई। जब वह नशे में हो गया तो प्लास्टिक स्ट्रेप से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। शव को केले के खेत में फेंक दिया। घटना 1 जून की रात इटौंजा थाना क्षेत्र के अकबरपुर में हुई थी। मड़ियांव थाना क्षेत्र की इन्द्रपुरी कॉलोनी निवासी सचिन सिंह का शव अकबरपुर में रिश्ते के मामा ब्रजेश सिंह के केले के खेत में मिला था। सचिन के पिता राम शंकर सिंह ने ब्रजेश सिंह के खिलाफ इटौंजा थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया था।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर सूचना संख्या- वि./ग.श.यू./प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/66 दिनांक 02.06.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: वि.-ग.श.यू.-कार्य ठेका-81-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल के इटावा स्टेशन पर आइलैंड प्लेटफार्म के निर्माण के कारण 25 केवी ओएचई संशोधन कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 20753084.64	बिड सुरक्षा राशिः ₹ 415100.00
कार्य अवधिः 12 महीना	बोली प्रणालीः एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 24.06.2026, 14.00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 24.06.2026, 15.00 बजे	

नोट- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेंगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1246/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

बेजुबानों की सेवा एवं सेविकाओं को सम्मानित कर जन्म दिवस को बनाया प्रेरणादायी: डॉ.रत्न

भव्यता के साथ मनाया गया बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी का जन्मोत्सव

प्रतापगढ़। नगर से सटे पूरे ईश्वरनाथ में अधिवक्ता एवं साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी की पोती, बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी का चतुर्थ जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और अनूठे अंदाज में मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह से शाम तक बेजुबान जानवरों को फल, बिस्किट, टोस्ट और रोटियां खिलाकर पानी पिलाया गया। दिनभर उनके आवास पर गायों, बछड़ों और श्वानों का जमावड़ा लगा रहा, जो आकर्षण का केंद्र बना रहा।संध्याकाल में एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जनपद के विद्वान साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश ने स्वागत संयोजिका माया त्रिपाठी द्वारा किया गया। समारोह में पधारे अतिथियों एवं आगंतुकों का शाल ओढ़ाकर सारस्वत सम्मान किया गया। इसके बाद डॉ. श्याम जी द्वारा प्रस्तुत मां शारदे की वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।विशिष्ट अतिथि राज किशोर त्रिपाठी श्रागीश ने बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी को यशस्वी एवं दीर्घायु होने का आशीर्वाद देते हुए बेटियों पर रचना पढ़कर जोश भरा। अति विशिष्ट अतिथि प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी ने कहा कि सानवी अत्यंत अल्पायु में ही

बड़े मंचों पर काव्य पाठ करके जनपद का गौरव बढ़ा रही है और अपने कुल का नाम रोशन कर रही है। मुख्य अतिथि व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल श्श्यामश ने जब अपनी लोकभाषा का प्रसिद्ध गीत ष्जेठ की दुपहरी औ निमिया की छांव होष्पढ़ा, तो पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

जन्मोत्सव के केंद्र में रहीं बाल कवयित्री सानवी ने जब अपनी दादी पर लिखी भावपूर्ण रचना–ष्राधा राधा राधा जपती, राम राम कॉपी में लिखतीष सुनाई, तो उपस्थित श्रोता झूम उठे। इस पुनीत अवसर पर दादा प्रेम कुमार त्रिपाठी भी अपनी भावनाओं को रोक नहीं सके। वे सानवी पर आधारित कविता व कहानी का पाठ करते–करते भावुक हो उठे और अपनी पंक्तियाँ पढ़ीं–ष्पाकर हुआ निहाल सानवी, चरण तुम्हारे भाल सानवी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. रत्न ने कहा कि इस मांगलिक अवसर पर बेजुबानों की सेवा एवं सेविकाओं को सम्मानित करके जन्मदिन को वास्तव में प्रेरणादायक और अनुकरणीय बनाया गया है। सानवी के सुख–समृद्धि की कामना करते हुए उन्होंने पढ़ाकृ श्रत्नश हृदय की है अभिलाषा, सुख वैभव हो रिद्धि सिद्धि।

इस अवसर पर सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए समाज की दो कर्मठ सेविकाओं, सुनीता और काजल को उपहार, अंगवस्त्रम एवं धनराशि भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह (प्रतापगढ़ की आवाज) की गरिमामयी उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक राकेश कनौजिया ने किया स इसके साथ ही गीतकार सुनील प्रभाकर, पत्रकार अखिल नारायण सिंह, शिक्षक राजेश कुमार मिश्र, समाजसेवी आनंद मोहन ओझा और साहित्य साधक कुंज बिहारी लाल श्मौर्य काका श्रीश ने सानवी को जन्मदिन की ढेरों बधाइयाँ देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की स इस दौरान ओमप्रकाश श्रीवास्तव, अरुण ओझा, सिब्बू पांडेय, मयंक, रेनू, विनय और कान्हा सहित साहित्य अनुरागी उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 226 वां मासिक सारस्वत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

बेंगलुरु (शहर समता/प्रवल प्रताप सिंह राणा)। बेंगलुरु की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 226 वां मासिक सारस्वत कार्यक्रम वरिष्ठ रचनाकार डॉ अंजना वर्मा की अध्यक्षता एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ महेश दिवाकर के मुख्या आतिथ्य में सम्पान हुआ। मंच पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदौर से ग़ज़लकार श्री बालक राम शाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डा सुधा आदेश, श्री मिलनसार अहमद एवं डॉ सुनील पवार उपस्थित थे। रचना उनियाल द्वारा प्रस्तुत शारदे वंदना से साथ कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ। सम्मान सत्र में मुरादाबाद की संस्था श्अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला मंचश द्वारा साहित्य साधक मंच से जुड़े साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में श्री रघुबीर अग्रवाल, उदय प्रताप सिंह,राधेश्याम यादव सुदर्शन, डॉ पूनम सिन्हा, रचना उनियाल, अर्जुन सिंह धरमधारी, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, गीता चौबे गूंज, डॉ रजनी शाह, डॉ मंजू लता गुप्ता और अमित भारतीय अनंत प्रमुख थे। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला मंच के संस्थाक अध्यक्ष डॉ महेश दिवाकर स्वयं उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन ने डॉ महेश दिवाकर ने साहित्य को रेखांकित करते हुए जीवन मूल्यों को साहित्य से जोड़ा और कहा कि साहित्य समाज का दर्पण नहीं बल्कि धड़कन है।

साधक मंच द्वारा विगत 19 वर्षों से किये जा रहे साहित्यिक कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी के उन्नयन एवं संवर्धन के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कर्नाटक के साहित्यकारों का एक सन्दर्भ कोष तैयार किया जाना चाहिए। दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर बल देते हुई डॉ दिवाकर ने साहित्यकारों को विभिन्न विधाओं में सृजन करने की सलाह दी। इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षा डॉ अंजना वर्मा ने अपने उद्बोधन में साहित्य के महत्व शैलजा रोला, उषा उमेश गुप्ता, वेंकट ने किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ अंजना वर्मा, डॉ महेश दिवाकर, बालक राम शाद, डॉ सुधा आदेश, मिलनसार अहमद, डॉ सुनील पवार, रचना उनियाल, रजनी शाह, आशीष राठौर, मंजू वेंकट, राधेश्याम यादव सुदर्शन, अनीता निहालानी, डॉ अजित कुमार, अर्जुन सिंह धर्मधारी, उदय प्रताप सिंह, डॉ पूनम सिन्हा, रघुबीर अग्रवाल बंधु, सुशील कुमार, अमित भारतीय अनंत, राही राज़, नारायण सिंह, सुधा अहलूवालिया, वरुण दीक्षित, उमा नाग, डॉ उर्मिला श्रीवास्तव, अधिवक्ताअंजू भारती, मधु माहेश्वरी, गीता चौबे गूंज, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, काव्या खन्ना, कुमारी रिशिता, प्रभात रंजन, आशा रानी शरण, डॉ कनक लता तिवारी, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, डॉ मंजू लता गुप्ता, नीलम अग्रवाल, और एच आर नरसिम्हन ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में श्री आदेश कुमार, अरविन्द मोहन अहलूवालिया, विकास कुमार जैन, रोहिणी जैन, प्रेमलता शाद, पृथ्वीराज सिंह, एम सी निहलानी, सिद्धार्थ निहलानी, कामिनी शर्मा, स्वाति दीक्षित, फ़राज़ अहमद और शरद की विशेष उपस्थिति रही। सञ्चालन मंच के संस्थापक अध्यक्ष ज्ञानचंद मर्मज्ञ और मंजू चंडिका), वीरेन्द्र कुमार सहित अटेवा के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में अटेवा परिवार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह जी को उनके नवीन दायित्व हेतु शुभकामनाएं देते हुए जनपद प्रतापगढ़ के शैक्षणिक विकास में पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया।

लड़ाई तो समाज ने 2016 में ही जीती, ये 10 साल से लड़ रहा असमाज से

5 जून 2026, शुक्रवार – विश्व पर्यावरण दिवस पर भयहरणनाथ धाम का सीमांकन तय

प्रतापगढ़। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के संस्थापक महासचिव एवं सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने कहा कि भयहरणनाथ धाम के पीछे 10 एकड़ में फैले अति प्राचीन पौराणिक शिवगंगा सरोवर को बचाने की लड़ाई समाज ने 25 मई 2016 को ही जीत ली थी। श्री शेखर ने कहा कि 25 मई 2016 को आयुक्त, इलाहाबाद मंडल श्री राजन शुक्ला जी ने जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को स्पष्ट आदेश जारी किया था कि भयहरणनाथ धाम के ठीक पीछे करीब 10 एकड़ में तालरूप में फैला एक अति प्राचीन पौराणिक शिवगंगा सरोवर था। कृपया उपरोक्त प्रकरण का परीक्षण कराकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें। पत्रांकः 3534/सी0, दिनांक 25–05–2016। उन्होंने बताया कि आदेश में यह भी लिखा है कि ष्वर्ष 2004 में सार्वजनिक निधि से धन प्राप्त कर भयहरणनाथ धाम की भूमि विकास के नाम पर वर्तमान दर्ज तालाब पाट दिया गया था।ष राजस्व रिकॉर्ड में खाता सं0 226, खसरा नं0 493द, रकबा 0.120 दर्ज है। उल्लेखनीय है कि जिसे समाज शेखर के नेतृत्व में जिला प्रशासन के सहयोग से 2010 में मनरेगा द्वारा लगभग १० बिस्वा तालाब का पुनरोद्धार किया गया है जिसका सौंदर्यीकरण नगर पंचायत द्वारा प्रस्तावित है । इस लघु तालाब में भागवान भयहरणनाथ धाम में अर्पित होने वाले जल की बूँदों को संरक्षित किया जा रहा, परिकल्पना है कि यह तालाब पक्का, घाट के साथ होगा जिसमे मध्य में भोले नाथ व माता गौरा की मूर्ति स्थापित होगी और भक्तो के स्नान हेतु यह सदैव तत्पर मिले।

समाज ने 2016 में काफी हद तक कागज से लड़ाई जीत ली। लेकिन तब से अब तक 10 साल बीत गए। हम असमाज से लड़ रहे हैं – उन भूमाफियाओं से जो सरकारी आदेश नहीं मानते, उन अधिकारियों से जो फाइल दबाते हैं।ष श्री शेखर ने कहा। उन्होंने बताया कि इस समय मलमास/अधिकमास मेला 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक चल रहा है। ष्मेले के बीच धाम की सीमा मिट गई तो लाखों भक्तों की आस्था उजड़ जाएगी। समाज मेरा तुम्हारा नहीं, सबका है। सबके धाम को बचाना है। '5 जून 2026, शुक्रवार, विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर नायब तहसीलदार सदर श्री दिनेश तिवारी जी से अनुरोध है कि वे भयहरणनाथ धाम का सीमांकन कर धाम की सीमा तय करें और धाम परिसर में पौधरोपण करें। 7 जून 2026 से प्रस्तावित १३ वें सामाजिक सत्याग्रह रचनात्मक आंदोलन टालने के लिए 5 जून का दिन सबसे शुभ है – शुक्रवार, माँ का दिन, पर्यावरण दिवस और मलमास मेला। शेखर ने कहा समय और परिस्थिति तय करती है कि समाज का स्वरूप क्या होगा। आज समय कह रहा है – सीमांकन करो। परिस्थिति कह रही है – मेला चल रहा है। प्रकृति और जीवात्मा के बीच का चेतन तत्व – भयहरणनाथ धाम – 5 जून को बच जाएगा।

चमेली

(कुण्डलिया)

फूल चमेली पर दिखा, अद्भुत एक निबन्ध।
औषधि बन सेवा करे, अंतस भरे सुगन्ध।
अन्तस भरे सुगन्ध,भाव निर्मल यह रखकर।
गमके सारा जगत, दिखे सुन्दर सब तरुवर।
सुन लो कहें प्रदीप, देख इसकी अठखेली।
दिल का बने सकून,मनोरम फूल चमेली।।

निर्मलता के साथ ही, जीत प्रकृति विश्वास।
फूल चमेली लिख रही, अपना खुद इतिहास।
अपना खुद इतिहास,समाहित जिसमें उपवन।
खुशबू का संसार, बना है जिसका उदयन।
सुन लो कहें प्रदीप, पंखुरी की कोमलता।
अहंकार से दूर, महक में है निर्मलता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वरिष्ठ पत्रकार बालमुकुंद तिवारी करणी सेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत

प्रयागराज। करणी सेना सनातन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने संगठन का विस्तार करते हुए प्रयागराज के वरिष्ठ पत्रकार एव उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रांतीय कोषाध्यक्ष बालमुकुंद तिवारी को राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष सिंह राजा ने की है! उनके मनोनयन पर कार्यकर्ताओं और पत्रकारों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट्स (उपज) एसोसिएशन परिवार के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका अभिवादन व पुष्प देकर सम्मानित किया है

उपज परिवार ने बालमुकुंद तिवारी को दी गई इस राष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए करणी सेना नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर APN न्यूज संपादक प्रसून शुक्ला ,उपज प्रांतीय महामंत्री आनंद कर्ण , विशेष आमंत्रित सदस्य केशवा नन्द त्रिपाठी, उपज जिला अध्यक्ष मथुरा अतुल जिंदल, बैसवारा कावरिया संघ के अध्यक्ष हेमंत अग्रहरि, मुकेश उपाध्याय,दिनेश चौधरी,आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच प्रतापगढ़ ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह जी का किया स्वागत

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ में नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आदरणीय देवव्रत सिंह जी के कार्यभार ग्रहण करने पर अटेवा पेंशन बचाओ मंच, प्रतापगढ़ के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर अटेवा के पदाधिकारियों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय के बीच जनपद के शैक्षणिक वातावरण, शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयों की प्रगति तथा शिक्षकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीर एवं सकारात्मक विचार–विमर्श हुआ। अटेवा पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में जनपद की शिक्षा व्यवस्था नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के हित

में प्रभावी कार्य होंगे। अटेवा पेंशन बचाओ मंच ने शासन की नीतियों एवं योजनाओं को जनपद में प्रभावी रूप से परिलक्षित करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक सहयोग प्रदान करने का संकल्प भी व्यक्त किया। स्वागत कार्यक्रम में डॉ. विनोद त्रिपाठी (जिला संरक्षक), सी.पी. राव (जिला अध्यक्ष), विश्वदीप सिंह (जिला उपाध्यक्ष), विनोद कुमार (जिला सोशल मीडिया प्रभारी), बसंत सरोज (जिला मंत्री/अध्यक्ष सदर), उदय सिंह (अध्यक्ष लक्ष्मणपुर), ओंकारनाथ (जिला सह–कोषाध्यक्ष/संरक्षक सांड़वा चंडिका), वीरेन्द्र कुमार सहित अटेवा के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में अटेवा परिवार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह जी को उनके नवीन दायित्व हेतु शुभकामनाएं देते हुए जनपद प्रतापगढ़ के शैक्षणिक विकास में पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया।

बीकॉम छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, पंखे से लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित भारत नगर पानी की टंकी इलाके में बीकॉम अंतिम वर्ष के 22 वर्षीय छात्र महेंद्र कुमार ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार, तीन वर्ष पहले मां के निधन के बाद से वह डिप्रेशन में रहने लगा था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक महेंद्र के पिता देवी प्रसाद सब्जी विक्रेता हैं। महेंद्र तीन भाइयों में सबसे बड़ा था, जबकि उसके छोटे भाई जितेंद्र और आकाश हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक महेंद्र की मां शारदा का तीन साल पहले 14 जून को निधन हो गया था। मां की मौत के बाद से वह अवसाद में रहने लगा था।

बुधवार को घर पर छोटा भाई आकाश मौजूद था। काफी देर तक महेंद्र कमरे से बाहर नहीं निकला तो आकाश ने देखा कि वह पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ है।

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र संख्या-1

ई-नीलामी कार्यक्रम सूचना संख्या-03 में प्रथम संशोधन पत्र

पत्रांक :- एस/सेल/611/ई-नी.का./170758/2026-27 दिनांकः 03.06.2026

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनोपरांत माह जून-2026 में उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक/प्रणाली/झाँसी द्वारा आयोजित की जाने वाली ई-नीलामी के कार्यक्रम में WTA की ट्रायल लॉट की बिक्री हेतु दिनांक 12.06.2026 (शुक्रवार) को एक अतिरिक्त ई-नीलामी तिथि निर्धारित की जाती है। ई-नीलामी कार्यक्रम की अन्य सभी तिथियाँ, नियम एवं शर्तें यथावत प्रभावी रहेंगी। 1088/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी–20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्राफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मनरूस्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी–20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक–दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए। इसमें दो राय नहीं कि वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट के वैभव ने आज पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। क्रिकेट की दुनिया के तमाम दिग्गज क्रिकेटर इस उदीयमान खिलाड़ी के क्रिकेट के कारनामों से हतप्रभ हैं। वे वैभव को आशीष व अनुभव दे रहे हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर ने उसे अपना स्वाभाविक क्रिकेट खेलने की सलाह तक दी है। इतना ही नहीं, भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान में भी वैभव को पूरा लाड मिल रहा है। पूरे पाकिस्तान में उसकी खेल तकनीक की खूब चर्चा होती है। निस्संदेह, उनकी निडर बल्लेबाजी और उल्लेखनीय रूप से निरंतर बेहतर खेलना, क्रिकेट के छोटे प्रारूप के प्रति नई पीढ़ी के साहसिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। हालांकि, उनकी प्रतिभा को लगातार अभ्यास से हासिल व कुछ लोगों द्वारा नैसर्गिक प्रतिभा कहा जा रहा है, लेकिन चर्चा उनकी इतनी कम उम्र में हासिल परिपक्वता को लेकर भी है। सही मायने में दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की सूर्यवंशी की क्षमता ठीक उसी गुण को दर्शाती है,जिसने वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। निस्संदेह, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के संस्करण में, जिस तरह क्रिकेट प्रतिभाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी नजर आती है, उसे टी–20 विश्व चौंपियन भारत के लिये शुभ संकेत ही कहा जा सकता है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों तथा वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में टी–20 क्रिकेट को शामिल किया जा रहा है। ऐसे में भरोसा बढ़ता है कि क्रिकेट को दीवानगी के साथ जीने वाले इस देश को आने वाले वर्षों में क्रिकेट की कई बड़ी उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई महिला क्रिकेट को भी पुरुष क्रिकेट के समान निखरने हेतु संबल देगा। हालांकि, भारत में महिला टी–20 क्रिकेट की घरेलू शृंखलाएं आरंभ हो चुकी हैं, लेकिन अभी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना बाकी है। ताकि भारत क्रिकेट के सभी प्रारूपों में अपनी बादशाहत कायम रख सके।

शर्मिंदगी का पर्यटन

डॉ. दीपक पाचपोर

इस सब में कोई बुराई नहीं है, बल्कि अच्छी बात है कि रोजगार का एक नया आयाम खुला है। लेकिन इतनी सुविधाओं के बावजूद विचारणीय पहलू यह है कि क्या पर्यटन का असली मकसद पूरा हो पा रहा है।

बीते दिनों कुछ ऐसी खबरें देखने और सुनने मिली हैं, जिनसे पर्यटन पर नयी बहस शुरु होने की गुंजाइश बनी है। पर्यटन की भारत में प्राचीन परंपरा रही है। साधु, संत, फकीर एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर जीवन के अनुभवों और नैतिकता के ज्ञान से लोगों को समृद्ध करते थे। उन्हें भोजन–पानी की तकलीफ न हो, इसका ख्याल समाज का संपन्न तबका कर लेता था। धार्मिक पर्यटन भी पुराने जमाने के लोग खूब किया करते थे और तमाम तकलीफें उठाकर अपने आराध्य के दर्शन के लिए जाते थे। इन साधुओं, फकीरों और श्रद्धालुओं के लिए आज भी देश में जगह–जगह धर्मशालाएं और सरायें बनी हुई हैं। लेखक–पत्रकार भी नयी खबर, नयी रचना की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान जाते थे और उदार मन, खुले दिल–दिमाग के साथ समाज के नए पहलुओं से परिचित होते थे। नौकरी या कारोबार के सिलसिले में भी लोगों को देशाटन करना पड़ता था। वक्त के साथ पर्यटन को बाकायदा उद्योग में बदल दिया गया है। अब लोग केवल यह तय करते हैं कि उन्हें कहां घूमने जाना है, बाकी सारा इंतजाम पर्यटन क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां कर देती हैं। होटल की बुकिंग से लेकर दर्शनीय स्थलों की सैर और खरीदारी तक सब जिम्मा कंपनी के लोगों का होता है। यात्रियों को केवल इन सुविधाओं का भुगतान करना होता है। इस सब में कोई बुराई नहीं है, बल्कि अच्छी बात है कि रोजगार का एक नया आयाम खुला है। लेकिन इतनी सुविधाओं के बावजूद विचारणीय पहलू यह है कि क्या पर्यटन का असली मकसद पूरा हो पा रहा है। अर्थात क्या हम नयी जगहों, नयी संस्कृतियों को देखने–समझने का नजरिया विकसित कर रहे हैं या फिर महज सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालने के लिए घूम रहे हैं। तस्वीरें खिंचवाने में भी कोई समस्या नहीं है, क्योंकि आखिर को यह भी आपकी यादों की धरोहर ही बनेगी। लेकिन इसमें क्या हम यानी भारतीय ऐसी उच्छृंखलता का परिचय दे रहे हैं, जिससे दुनिया को हम पर उंगली उठाने का मौका मिल रहा है, यह भी सोचने की बात है। दरअसल कुछ दिनों से एक वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहा है, जिसमें वियतनाम के एयरपोर्ट पर विमान के पास ही भारतीय पर्यटकों का एक समूह उत्साह से गरबा करता दिख रहा है। इस समूह में स्त्री–पुरुष–बच्चे सब हैं। पास में खड़े वियतनामी कर्मचारी और अन्य लोग हैरानी से इस समूह को देख रहे हैं। गरबा करने वाले समूह को देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि ये लोग गुजरात से आए होंगे। कुछ समय पहले दुबई के प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा में भी यात्री दल के गरबा करने का वीडियो सामने आया था। वियतनाम वाला वीडियो चर्चा में आने के बाद और भी ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिसमें कहीं द ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के सामने गरबा हो रहा है, कहीं नियाग्रा जलप्रपात के सामने। ऐसे ही वियतनाम में सुप्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर कुछ यात्रियों ने छैंय्या छैंय्या गीत पर नृत्य करते हुए वीडियो बनाया। बता दें कि यह ट्रेन स्ट्रीट इसलिए प्रसिद्ध है क्योंकि यहां घर और दुकानें ट्रेन की पटरी के एकदम करीब हैं और जब ट्रेन आती है, तो लोग वहां से हट जाते हैं। लेकिन इस जगह पर रहने वालों ने शायद ही कभी सोचा होगा कि अब ट्रेन स्ट्रीट का नाम इस तरह से भी चर्चा में आएगा। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर डालने वाली युवती ने लिखा भी कि अगर ट्रेन स्ट्रीट आए और श्छैंय्यां–छैंय्यांश गाने पर डांस न किया तो क्या ही घूमना हुआ। इस वाक्य से ही आज के संपन्न पर्यटकों की मानसिकता समझी जा सकती है, जिनके लिए विदेश घूमने में भी महत्वपूर्ण एक नए देश के आचार–विचार, रहन–सहन को देखना–समझना नहीं है, बल्कि वायरल हो सके, ऐसी रील बनाना है। गरबा हो या कोई और नृत्य, उनके लिए नृत्यशालाएं हैं, क्लब्स हैं या सामाजिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच उपलब्धा हैं। पर्व–त्यौहारों पर भी अपने उत्साह को प्रकट करने के लिए सड़क से लेकर मैदान तक नृत्य करने की छूट देश में मिली ही हुई है। फिर किसलिए हम विदेश जाकर भारतीय संस्कृति के नाम पर ऐसे नृत्य करते हैं, यह बात अब भारतीय पर्यटकों को सोचनी चाहिए। क्या इससे देश का नाम खराब नहीं होता है। प्रधानमंत्री मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में अक्सर उपदेशात्मक बातें लोगों से कहते हैं, तो क्यों न अगली बार वे पर्यटकों को समझदारी से घूमने की सलाह दें ताकि लोग भारतीयों पर सवाल न उठाएं। दरअसल भारतीय कारोबारी हर्ष गोयनका ने 2019 में स्विट्जरलैंड के एक होटल का नोटिस शेयर किया था, जिसमें श्भारत से आए प्रिय मेहमानोंश को संबोधित करते हुए कहा गया था कि बुफे का खाना साथ न ले जाएं, दिए गए कटलरी का ही उपयोग करें और गलियारे तथा बालकनी में शोर न मचाएं। श्री गोयनका ने उस वक्त लिखा था कि, श्यह नोटिस पढ़कर मन में गुस्सा आया, अपमान हुआ और विरोध करने का मन किया। लेकिन फिर एहसास हुआ कि हम पर्यटक के रूप में शोरगुल करने वाले, असभ्य और सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील हैं। अभी वियतनाम वाले वीडियो के बाद फिर से इसी नोटिस को हर्ष गोयनका ने शेयर करते हुए ऐसी ही कुछ और घटनाओं की याद दिलाई है, जिनसे भारतीय पर्यटकों के व्यवहार पर शर्मिंदगी महसूस होती है। विदेश के साथ–साथ देश में भी पर्यटन स्थलों का हाल यात्रियों के बेलगाम व्यवहार और सरकारों की अकर्मण्यता के कारण बुरा हो चुका है।

परीक्षाओं में गड़बड़ियां मोदी सरकार के आर्थिक प्रगति के दावों पर एक दुखद टिप्पणी

के. रवींद्रन

भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का वादा, मोदी सरकार के राजनीतिक संदेशों का एक सबसे लगातार दोहराया जाने वाला विषय बन गया है। इसे राष्ट्रीय पुनरुत्थान के सुबूत के तौर पर पेश किया जाता है। एक चुनावी नारे के तौर पर इसमें जाहिर तौर पर आकर्षण है। लेकिन राष्ट्रीय प्रगति की असली कसौटी, अर्थव्यवस्था का कुल आकार नहीं है। असली कसौटी यह है कि क्या सरकार निष्पक्ष रूप से काम करती है, क्या सार्वजनिक संस्थानों पर लोगों का भरोसा है, और क्या नियमों की गैर–मौजूदगी में सजा पाने के बजाय युवा नियमों द्वारा सुरक्षित महसूस करते हैं? यही कारण है कि परीक्षाओं को लेकर चल रहे विवाद, प्रशासनिक विफलता से कहीं ज़्यादा गहरी चीज पर चोट करते हैं। वे राष्ट्रीय उपलब्धि की बयानबाजी और उन लाखों परिवारों के वास्तविक जीवन के अनुभव के बीच के अंतर को उजागर करते हैं, जो अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सार्वजनिक व्यवस्थाओं पर निर्भर हैं। जिस देश में शिक्षा सामाजिक गतिशीलता की मुख्य सीढ़ी बनी हुई है, वहां परीक्षा महज एक जांच नहीं है। यह अक्सर वर्षों के त्याग की परिणति होती है। माता–पिता अपनी संपत्ति बेच देते हैं, छात्र अत्यधिक मानसिक तनाव झेलते हैं, परिवार शहर बदल लेते हैं, कोचिंग सेंटर घर की जमा–पूंजी खा जाते हैं, और किशोरों पर ऐसी उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है, जो कई वयस्कों को भी दबा दें। जब ऐसी परीक्षाओं की पवित्रता पर आंच आती है, तो इसका नुकसान सिर्फ मार्कशीट या दाखिले तक ही सीमित नहीं रहता। यह नागरिक और सरकार के बीच हुए नैतिक समझौते पर एक हमला होता है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) इस टूटन का प्रतीक बन गई है। इसका उद्देश्य उच्च–दांव वाली परीक्षाओं में मानकीकरण, दक्षता और विश्वसनीयता लाना था। इसके बजाय, इसे बार–बार विवादों के केंद्र में धकेल दिया गया है। इसे न्यायिक जांच, जनता के गुस्से और छात्रों के बीच भरोसे में भारी कमी का सामना करना पड़ा है। सर्वोच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणियों ने उसी बात को जाहिर किया है, जो कई परिवार पहले से ही महसूस कर रहे थे कि जिस संस्था पर युवा नागरिकों के भविष्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह लापरवाही, अपारदर्शिता या बचाव की मुद्रा वाले नौकरशाही रवैये के साथ काम नहीं कर सकती। जब उम्मीदवार और माता–पिता निराशा में डूब जाते हैं, जब अनिश्चितता हफ्तों तक खिंचती रहती है, जब पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों का जवाब पहले इनकार से दिया जाता है और बाद में डैमेज कंट्रोल (नुकसान की भरपाई) से, तो विश्वसनीयता को हुए नुकसान की भरपाई करना मुश्किल हो जाता है। बड़ा मुद्दा यह नहीं है कि क्या टेक्नालॉजी लाई जा सकती है, क्या परीक्षाओं को डिजिटल फॉर्मेट में बदला जा सकता है, या क्या सुरक्षा प्रोटोकॉल को और ज़्यादा विस्तृत बनाया जा सकता है? ये जरूरी सुधार हो सकते हैं, लेकिन ये ईमानदारी का विकल्प नहीं हैं। एक भ्रष्ट कागजी प्रक्रिया की जगह एक भ्रष्ट डिजिटल प्रक्रिया ले सकती है। एक दोषपूर्ण मानवीय श्रृंखला की जगह एक दोषपूर्ण तकनीकी श्रृंखला ले सकती है। अगर सिस्टम को डिजाइन करने वाले, ठेका देने वाले, निगरानी करने वाले और ऑडिट करने वाले लोग जवाबदेह नहीं हैं, तो टेक्नालॉजी एक और ऐसी परत बन जाती है जिसके पीछे जिम्मेदारी छिप सकती है। भारत की शासन–प्रशासन से जुड़ी विफलताएं अक्सर नियमों के न होने की वजह से नहीं, बल्कि नियमों को चुनिंदा तरीके से तोड़ने–मरोड़ने, सुरक्षा उपायों को कमजोर करने, और सार्वजनिक संस्थानों को जनता के भरोसे का संरक्षक मानने के बजाय अपनी सुविधा का जरिया समझने की प्रवृत्ति से पैदा होती हैं।सीबीएसई विवाद इसी चिंता को और मजबूत करता है। पहली नजर में जो चीज परीक्षा के संचालन या मूल्यांकन में एक तकनीकी विफलता लगती है, उसे महज एक दुर्घटना कहकर खारिज नहीं किया जा सकता, अगर +फैसलों की श्रृंखला कुछ ज़्यादा ही सोची–समझी साजिश की ओर इशारा करती हो। जब कोई ठेका ऐसी कंपनी को मिलता है जिसे पहले ही ब्लैकलिस्ट किया जा चुका हो, और जब आरोप लगते हैं कि नियमों में इस तरह से बदलाव किए गए जिससे ऐसा नतीजा मुमकिन हो पाया, तो यह मामला महज अकुशलता का एक साधारण मामला नहीं रह जाता। यह संस्थागत धोखे का सवाल बन जाता है। क्या शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक खरीद एक ऐसी प्रक्रिया बनकर रह गई है, जहां पात्रता की शर्तों को ढीला किया जा सकता है, सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज किया जा सकता है, और नुकसान हो जाने के बाद जवाबदेही को खत्म किया जा सकता है? यह बात इसलिए मायने रखती है, क्योंकि परीक्षाएं उन कुछ जगहों में से एक हैं जहां आम नागरिकों को अब भी यह उम्मीद होती है कि पैसा, रसूख और पहुंच के ऊपर योग्यता की ही जीत होगी। इस स्तर पर शासन की गुणवत्ता के आधार पर ही इसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए। सरकार के समर्थक यह तर्क दे सकते हैं कि भारत के विशाल आकार के कारण ऐसी असफलताओं से बचना मुश्किल है। भारत की परीक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे जटिल प्रणालियों में से एक है। लेकिन विशाल आकार को लापरवाही का बहाना नहीं बनाया जा सकता। बल्कि, विशाल आकार तो और भी अधिक कड़े सुरक्षा उपायों की मांग करता है, न कि कमजोर उपायों की।

डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह संपन्न

विजयवाड़ा। राज्यपाल न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नज़ीर ने डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 29वें और 30वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्रदान कीं। प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सी. नरसिम्हन और डॉ. पी.सी. रथ को डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया। उन्होंने स्नातकों से चिकित्सा के केंद्र में मानवीय करुणा को रखने का आग्रह किया। आंध्र प्रदेश के माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर ने मुख्य अतिथि के रूप में विजयवाड़ा में आयोजित एक समारोह में डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के संयुक्त 29वें और 30वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की तथा स्नातक छात्रों को डिग्री, पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस दोहरे दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्यों, वरिष्ठ संकाय, पुरस्कार विजेताओं के परिवार और राज्य भर से संबद्ध चिकित्सा, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, फार्मेसी और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान कॉलेजों के सैकड़ों गौरवान्वित स्नातकों ने भाग लिया।

कार्यवाही के मुख्य आकर्षण में, विश्वविद्यालय ने देश के दो सबसे प्रतिष्ठित हृदय विशेषज्ञों को डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद उपाधि) की उपाधि प्रदान की। एआईजी अस्पताल, हैदराबाद में अतालता और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी सेवाओं के निदेशक डॉ. सी. नरसिम्हन ने डी.एससी. प्राप्त किया। 29वें दीक्षांत समारोह के लिए और मुख्य अतिथि–सह–वक्ता के रूप में भी कार्य किया। डॉ. पी. सी. हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में हृदय विज्ञान के निदेशक और प्रमुख रथ को डी.एससी. से सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, डॉ. सी. नरसिम्हन ने स्नातकों को बधाई दी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सटीक चिकित्सा, जीनोमिक्स और डिजिटल स्वास्थ्य द्वारा परिवर्तित हो रहे पेशे पर विचार किया। हालाँकि, उन्होंने आगाह किया कि परिष्कृत तकनीक अकेले ठीक नहीं होती है, उन्होंने युवा डॉक्टरों को याद दिलाया कि हर निदान के पीछे एक मरीज है जो अपने ज्ञान, निर्णय और करुणा पर भरोसा करता है।

उन्होंने स्नातकों को असफलता की स्थिति में लचीलापन

बनाने, सोशल मीडिया के युग में वास्तविक मानवीय संबंध विकसित करने और आजीवन सीखने को अपनाने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि मरीज निदान भूल सकते हैं लेकिन अपने सबसे कमजोर क्षणों में दिखाई गई दयालुता और गरिमा को हमेशा याद रखेंगे। अपनी रिपोर्ट में, कुलपति डॉ. पी. चंद्र शेखर ने दीक्षांत समारोह को सीखने से नेतृत्व की ओर और तैयारी से जवाबदेही की ओर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के रूप में वर्णित किया, और महत्वपूर्ण शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक प्रगति के एक वर्ष की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक सरकारी मेडिकल कॉलेज को तीन साल के लिए 10 लाख रु रुपये का वार्षिक अनुदान मिलेगा। इसके अलावा

पूर्व छात्रों की बैठकें आयोजित करने और अतिरिक्त रु. खेल के मैदान विकसित करने और अंतर–विश्वविद्यालय, राज्य और राष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रत्येक को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। अन्य मील के पत्थर के बीच, उन्होंने विश्वविद्यालय के भीतर आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा रोग मॉडलिंग और निर्णय खुफिया केंद्र (डीएमडीसी) की स्थापना का हवाला दिया, एक 100 किलोवाट छत सौर ऊर्जा संयंत्र से सालाना लगभग 1.5 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है, और मेडिकल छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याओं की रोकथाम का समर्थन करने के लिए क्यूपीआरआई भारत के साथ एक समझौता ज्ञापन किया। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. बी.सी. रॉय और प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. येलाप्रगदा सुब्बा राव की मूर्तियाँ को परिसर में स्थापित किया गया था, और एक विश्वविद्यालय एनएसएस स्वयंसेवक को भारत के माननीय राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय 1 नवंबर 2026 को अपनी स्थापना का 40वां वर्ष मनाएगा।

स्नातकों को संबोधित करते हुए, कुलपति ने उनसे विनम्रता के साथ सेवा करने, ईमानदारी के साथ नेतृत्व करने, जिम्मेदारी के साथ नवाचार करने और स्वास्थ्य देखभाल के पवित्र उद्देश्यरू पीड़ा को कम करने और मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए उत्कृष्टता के राजदूत बनने का आग्रह किया।

विरासत और मुस्तक़बिल (लेख)

यह मुल्क खेती,बाग़बानी,मवेशी परवरी और कारीगरी करने वालों का मुल्क था,खुद कफ़ील और आसूदा था। ज़मीन और हुनर से जुड़े लोगों की मेहनतों ने इस मुल्क को सदियों सोने की चिड़िया बनाये रखा। उस वक़्त यहाँ न कोई आज के दौर जैसा कारख़ाना था,न मशीनें और न अंग्रेज़ी खाद थी।

अभी इन हक़ीक़तों के जानने वाले होंगे कि खेत कटने के बाद नयी फ़स्ल के लिए जोताई से पहले रात के वक़्त खेत में भेड़ें और बकरियाँ बैठाई जाती थीं ताकि उनकी मेंगनी खेत की बुनियादी खाद हो और बाद जोताई के वक़्त गाय भैंस के गोबर से तय्यार ख़ाद का इस्तेमाल मिट्टी को ज़र खेज़ करने के लिए होता था। जोताई,सिंचाई,बोआई,मड़ाई बैलों की मदद से होती थी। फ़स्ल की ढोलाई के लिए बैलगाड़ी में बैल डांगर और ख़ड़खड़े में घोड़े खच्चर जोते जाते थे,ढोलाई के लिए ऊँट और गधों का भी इस्तेमाल होता था। तेलहन की पेराई के लिए भी कोल्हू में बैल लगते थे,गन्ने की पेराई बैलों से होती थी। सवारी के लिए बग्गी,तंगे इक्के को घोड़े और खच्चर खींचते थे,घोड़े हाथी ऊँट गधे खच्चर पर भी सवारी हुआ करती थी। मवेशियों के रेवड़ की निगरानी के लिए सधे हुए देसी कुत्ते होते थे। किसानों जानवरों और कारीगरों के ताल मेल से इस मुल्क की मिट्टी सोना उगल रही थी और बाज़ार चढ़ा था।

यहाँ के अनाज,फल,मसालह, जड़ी बूटी,कपास सूत,कच्चे माल,कारीगरों के बुने कपड़ों,दस्त कारों के तय्यार किए माल और मवेशियों की दुनिया भर में मांग थी। सारी दुनिया के ताजिर पैसे ले कर माल ख़रीदने इस मुल्क में डेरा डाले रहते थे,यहाँ ख़र्च कर के सरायों में रहते खाते आते थे, लोगों को रोज़गार मिलता था,मुल्क की कमाई होती थी।

अंग्रेज़ी हुकूमत के दौरान 1850 में,काम में तेज़ी लाने के नाम पर यहाँ मशीनों के इस्तेमाल की शुरूआत हुई। मशीनों के काम पर लगते ही मज़दूरों दस्तकारों और कारीगरों की बेरोज़गारी का दौर आ गया। मशीन लाने और लगाने वाले मुनाफ़ा पसंद सरमायादार जिन्हें पैसे के दम जल्दी से जल्दी और ज़ियादा से ज़ियादा कमाई करने से काम था उन्हें उस वक़्त कारीगर दस्तकार और मज़दूर के बेरोज़गार होने की फ़िक्र क्यों होती? मगर अफ़सोस है कि बाद में भी संजीदगी के साथ कोई नतीजा ख़ेज़ इंतेज़ाम नहीं हुआ। मज़दूरों दस्तकारों कारीगरों को तो सस्ता और तेज़ काम चाहने वाले सरमायादारों ने पहले ही उजाड़ दिया था मगर वक़्त यहीं पर नहीं थमा! मशीने और तेज़ हुईं और लगे हाथ बहुत तेज़ी के साथ कम्प्यूटर का ज़माना आया जिसके आते ही डिज़ाइनिंग का काम और हाथ से लिखने यानी ख़त्ताती का काम भी हुनर वालों के साथ से निकल गया,कपड़े क़ालीन दरी वग़ैरे के कारख़ानों सैकड़ों कारीगरों का काम एक मशीन निपटाने लगी, तकनी चर्ख़े का काम बंद हो गया।

यह सच है कि मशीनें वक़्त की ज़रूरत हैं मगर यह मशीनें मज़दूरों कारीगरों और दस्तकारों जैसा काम कभी नहीं कर सकतीं,इंसानी हाथों की बनी चीज़ों की आज भी आलमी बाज़ार में माँग है और उनकी बड़ी क़ीमत है। भारत में कारीगरों और हुनर वालों की आज भी कमी नहीं है,ज़रूरत है की उनके लिए 'मैनमेड मार्केट' का ऐसा प्लेटफ़ार्म तय्यार किया जाये जहाँ उन्हें उनके हिस्से का काम और उनके हक़ की मज़दूरी मिले। कारीगरों के हाथ ही चिकन,फ़र्दी,ज़रदोज़ी कढ़ाई का कमाल दिखा सकते हैं,मशीनें नहीं,हाथों के सिले कुर्ते,हाथों के बुने क़ालीन और भी दस्तकारी के अनगिनत नमूने आज भी अलग ही दिखते हैं! इसी तरह साज़ की दुनिया में आज लाख पैड ने जगह बना ली हो मगर वह नौशाद, बिस्मिल्लाह ख़ान,और ज़ाकिर हुसैन जैसी कैफ़ियत और एहसास नहीं छेड़ सकता। हम हर नई चीज़ अपनायें यह ज़रूरी है मगर नई चीज़ों के लिए हम अपनी विरासत नहीं मिटा सकते,विरासतों से हमारी तारीख़ भी जुड़ी है और हमारा मुस्तक़बिल भी। अपनी रिवायतों और विरासतों को महफ़ूज़ करने और उनके मईशती को मेयार को बहाल करने के लिए हमें उनसे जुड़ना ही पड़ेगा।

—अनवार अब्बास नक़वी

राम चरण ने बताया था हैदराबाद में `मुन्ना भैया' का क्रेज, दिव्येंदु बोले- मुझे यकीन ही नहीं हुआ

एक्टर दिव्येंदु इन दिनों अपनी पहली तेलुगु फिल्म च्मककप को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच दिव्येंदु ने खुलासा किया है कि तेलुगु इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले ही उन्हें हैदराबाद में मिलने वाले प्यार और लोकप्रियता के बारे में बताया गया था, जिसे सुनकर वह हैरान रह गए थे। दिव्येंदु ने बताया कि उन्हें पहले से पता था कि डपव्रंचनत तेलुगु दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है, लेकिन हैदराबाद में उनके किरदार 'मुन्ना भैया' की दीवानगी कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा उन्हें तब हुआ जब राम चरण ने खुद उन्हें इसके बारे में बताया। अभिनेता ने कहा कि राम चरण ने सबसे पहले उन्हें बताया था कि हैदराबाद में लोग उनके काम को कितना पसंद करते हैं। उस समय उन्हें इस बात का पूरा अंदाजा नहीं था कि वहां उनके लिए इतना बड़ा फैन बेस मौजूद है। दिव्येंदु ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें खुद इस प्यार को करीब से महसूस करने का मौका मिला। एक क्रिकेट सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। जैसे ही लोगों ने उन्हें देखा, उनके लिए जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि उस प्रतिक्रिया को देखकर उन्हें समझ आ गया कि राम चरण ने जो बताया था, उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। फैंस उनके पास आए, उनके काम की तारीफ की और कहा कि उन्हें उनका अभिनय बेहद पसंद है।दिव्येंदु के मुताबिक, एक अभिनेता के लिए दर्शकों से मिलने वाली सच्ची सराहना बेहद मायने रखती है। उन्होंने कहा कि जब लोग दिल से आपके काम की तारीफ करते हैं, तो यह आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देता है। उन्होंने यह भी माना कि चूंकि यह उनकी पहली तेलुगु फिल्म है, इसलिए दर्शकों से मिला यह प्यार और समर्थन उनके लिए किसी बड़े पुरस्कार से कम नहीं है। साल 2026 दिव्येंदु के लिए बेहद खास साबित होता नजर आ रहा है। एक तरफ उनकी हालिया परियोजना ळसवतल को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, वहीं दूसरी ओर च्मककप में उनके 'राम बुज्जी' किरदार का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा, दर्शकों में मिर्जापुर को लेकर भी जबरदस्त उत्साह है, जहां वे एक बार फिर दिव्येंदु के सबसे चर्चित किरदार 'मुन्ना भैया' की वापसी देखने के लिए तैयार हैं।

> उन्होंने कहा कि उस प्रतिक्रिया को देखकर उन्हें समझ आ गया कि राम चरण ने जो बताया था, उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। फैंस उनके पास आए, उनके काम की तारीफ की और कहा कि उन्हें उनका अभिनय बेहद पसंद है।दिव्येंदु के मुताबिक, एक अभिनेता के लिए दर्शकों से मिलने वाली सच्ची सराहना बेहद मायने रखती है।

11 साल बाद शिल्पा शिंदे ने कबूला बड़ा सच, बोलीं- भाभीजी घर पर हैं प्रोड्यूसर पर लगाया था झूठा सेक्शुअल हैरेसमेंट

आए दिन कोई न कोई ऐसा ब्यान सामने आता–रहता है, जिसकी वजह से हर जगह तूफान मच जाता है। हाल ही में भाभी जी घर पर है में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाले शिल्पा शिंदे ने इतना बड़ा ब्यान दिया है, जिसकी वजह से हर जगह खलबली मच गई है। शो को छोड़ने के बाद उन्होंने अपने प्रोड्यूसर पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का केस किया है, इसी पर शिल्पा शिंदे ने यह खुद कबूला था कि यह पूरी तरह सच नहीं है। हाल ही में शिल्पा शिंदे हर्ष और भारती के पॉडकास्ट में पहुंची, वहां जाकर उन्होंने ऐसी बातें कबूल की, जिन्हे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। इसी के साथ वो काफी भावुक नजर आईं। शिल्पा शिंदे ने बताया कि जब भाभी जी घर पर है शो हिट हुआ इसके बाद उनके और प्रोड्यसर के बीच रिश्ते खराब होने शुरू हो गए और इसी बीच उनके ऊपर दवाब बनाया गया कि ऐसा कॉन्ट्रैक्ट साइन करें कि वो कहीं और जाकर काम न कर सकें। इसके बाद शिल्पा ने बताया कि जब उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया तो उनको बहुत बार डराने–ध ामकाने की कोशिश की गई और कहा अगर तुमने हमारी बात नहीं मानी तो हम तुम्हे किसी भी जगह काम करने लायक नहीं छोड़ेंगे। इसी के साथ शिल्पा ने बताया कि उन्होंने मेरा 10 दिनों का शूट दो दिन में ही खत्म कर दिया। इतना ही नहीं उस दौरान मुझे छुट्टियां देने से भी मना कर दिया और अखबार में भी यह छाप दिया कि मुझे शो से निकाल दिया गया है। बात सिर्फ यहां खत्म नहीं हुआ शिल्पा ने बताया कि इसके बाद मुझे करोड़ों रुपए के नोटिस मिलने गए। यह सब जानबूझ कर मुझे तोड़ने के लिए किया जा रहा है, अगर मैं मजबूत न होती तो बहुत बुरी तरह से टूट जाती। मुझे उस समय ऐसा लग रहा था कि मेरी दुनियां खत्म हो गई है। इसी बीच शिल्पा ने इमोशनल होते हुए बताया कि मैंने 11 साल पहले अपने प्रोडूसर पर झूठा सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस किया था। इसी के साथ उन्होंने बताया कि यह फैसला उन्होंने मजबूरी में लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ दिया था लेकिन फिर भी वो लोग मेरे पीछे पड़े हुए थे। इसके बाद शिल्पा ने बताया कि बहुत समय बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता किया गया और कहा कि आज के बाद दोनों एक–दूसरे के खिलाफ मीडिया के सामने कोई ब्यान नहीं देंगे।

आईपीएल जीत के बाद भक्ति में लीन हुए विराट, पत्नी अनुष्कां संग प्रेमानंद महाराज जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे वृन्दावन

हाल ही में विराट कोहली ने शानदार जीत हासिल की है और दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। इस बार खास बात यह थी कि विराट को सपोर्ट करने के लिए उनकी पत्नी अनुष्का भी स्टेडियम पहुंची। इस जीत के बाद दोनों पति–पत्नी वृन्दावन पहुंचे और वहां जाकर प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लिया। विराट और अनुष्का ने वृंदावन स्थित राधा केली कुंज आश्रम का दौरा किया और प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। इस दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल तस्वीरों में दोनों आश्रम से बाहर निकलते हुए नजर आ रहे हैं और उनके चेहरे पर अलग ही सुकून दिखाई दे रहा है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों प्रेमानंद महाराज जी के दर्शन के लिए पहुंचे हो। पिछले कुछ वर्षो में दोनों कई बार वृन्दावन जा चुके है। यह कपल अक्सर अध्यात्म और आस्था के प्रति अपनी आस्था जाहिर करता रहता है और कई धार्मिक आयोजनों में भी साथ दिखाई देता है। इसी के साथ आरसीबी की जीत के बाद अनुष्का शर्मा ने टीम की सफलता का जमकर जश्न मनाया। मैच के दौरान और उसके बाद उनकी खुशी देखने लायक थी। सोशल मीडिया पर उनके कई पोस्ट और वीडियो भी चर्चा में रहें, जिनमें वह टीम का उत्सव मनाती हुई नजार आ रही हैं। गौरमतलब है कि आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल तरोपज्ञ अपने नाम की और इस ऐताहिसक जीत के बाद विराट–अनुष्का ने खुशी को आध्यात्मिक आशीर्वाद के साथ खास बना दिया।

स्वयंभू के लिए निखिल सिद्धार्थ का खतरनाक ट्रांसफॉर्मेशन, ट्रेनिंग का बीटीएस वीडियो आया सामने

चाहे वह फिल्म का टीजर हो या पहला सिंगल रा रा धीवरा, स्वयंभू की हर एक झलक एक बहुत बड़ी सक्सेस साबित हुई है। फिल्म की इस ग्रैंड और विशाल दुनिया की झलक दिखाते हुए, इसके हर एक प्रमोशनल एसेट ने दर्शकों के एक्साइटमेंट को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है!

कार्तिकेय 2 की ब्लॉकबस्टर कामयाबी के बाद, स्वयंभू अपने टीजर रिलीज के समय से ही निखिल सिद्धार्थ की सबसे मच–अवेटेड फिल्मों में से एक बन चुकी है। अपने ग्रैंड स्केल, भव्यता और एक शानदार बैकड्रॉप वाली कहानी के साथ, इसके टीजर ने अपनी सिनेमैटिक सोच के लिए हर तरफ जमकर तारीफें बटोरीं। इस बढ़ते एक्साइटमेंट के बीच, मेकर्स ने अब निखिल सिद्धार्थ की 45 दिनों की कड़ी ट्रेनिंग जर्नी की एक बिहाइंड–द–सीन्स (बीटीएस) झलक शेयर की है, जिसमें वे फिल्म के लिए एक योद्धा (वॉरियर) के रूप में ट्रांसफॉर्म होते नजर आ रहे हैं। निखिल के जन्मदिन के मौके पर रिलीज हुए इस वीडियो में वे इंटरनेशनल स्टंट टीमों के साथ ट्रेनिंग करते और शारीरिक रूप से बेहद मुश्किल एक्शन सीन्स की तैयारी करते दिख रहे हैं। भारत के गौरवशाली स्वर्ण युग (गोल्डन एरा) पर बेस्ड इस फिल्म का टीजर हमारी विरासत, साहस और सांस्कृतिक महत्व से भरपूर कहानी को सामने रखता है। इस कहानी के केंद्र में सेंगोल का शक्तिशाली प्रतीक है, जो विरासत और सम्मान की एक बड़ी गाथा की तरफ इशारा करता है। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ एक बेहद खूंखार और कमांडिंग अवतार में नजर आ रहे हैं, और पूरा टीजर धमाकेदार विजुअल्स, इंटेंस ड्रामा और एक्शन से भरा हुआ है। इस फिल्म के लिए इंडस्ट्री के टॉप–क्लास टेक्नीशियन्स और क्रिएटिव लोग एक साथ आए हैं। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के डायरेक्शन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में केजीएफ और सालार फेम रवि बसूर का दमदार म्यूजिक है। वहीं, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार ने इसके कमाल के विजुअल्स को शूट किया है, और एडिटिंग श्बाहुबलीश फेम थम्मिराजू ने की है। इनके साथ ही कई और बड़े नाम इस फिल्म से जुड़े हैं। पूरे 170 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल के साथ यह फिल्म हाल के दिनों के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक बन गई है। स्वयंभू को पिक्सेल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अमर गाथा को एक महाकाव्य (एपिक) ट्रिब्यूट देने आ रही यह फिल्म समर 2026 में दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब घर पर बनाएं मार्केट-स्टाइल जीरा शिकंजी, ये सीक्रेट रेसिपी महीनों तक नहीं होगी खराब

भंयकर गर्मी और लू बचने के लिए ठंडी–ठंडी शिकंजी मिल जाए, तो सुकून मिल जाता है। शरीर को ठंडा रखने और हाइड्रेशन के लिए शिकंजी पीना फायदेमंद होता है। अचानक से घर में मेहमान आ जाए, तो नींबू निचोड़ने और चीनी घोलने में आधा समय चला जाता है। यदि आपके पास बाजार जैसा जीरा शिंकजी मसाला है, तो आपको कोई समस्या नहीं हो सकती है। फटाफट मेहमान के लिए तुरंत शिकांजी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि होममेड जीरा शिकंजी मसाला कैसे तैयार करें।

बाजार जैसा सीक्रेट शिकंजी मसाला

इसे बनाने के लिए आपको 4 चम्मच साबुत जीरा, 2 चम्मच काली मिर्च, 2 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच सादा सफेद नमक, आधा चम्मच सोंठ पाउडर (सूखा अदरक) और 1 चम्मच पुदीना पाउडर (ऑप्शनल) होना जरुरी है।

जीरा शिकंजी मसाला बनाने की विधि

– सबसे पहले एक पैन को गैस पर हल्का गर्म करें। इसमें आधा जीरा डालकर तब तक भूनें जब तक कि उसमें से अच्छी खुशबू न आने लगे और उसका रंग गहरा न हो जाए। अब भुने हुए जीरे को एक प्लेट में निकाल लें।

– अब मिक्सी के जार में भुना हुआ जीरा, बचा हुआ कच्चा जीरा, काली मिर्च, काला नमक, सफेद नमक और सोंठ पाउडर डाल सकते हैं। इसको आप बारीक पीस लें और आपकी शिकंजी मसाला तैयार है।

कैसे मसाले को स्टोर करें?

मसाले को पीसने के बाद थोड़ा इसे बाहर खुला रखें। इसके बाद किसी एयर–टाइट कांच के कंटनेर में भर कर रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि कभी भी इसे गीले हाथ से न निकालें वरना इसमें गाठें पड़ सकती हैं और इसका स्वाद खराब हो सकता है। इसको सीधी धूप या गैस के पास रखने के बजाय सूखे और ठंडे कोने में स्टोर करें।

सीक्रेट मसाले से मिनटों में बनाएं शिंकजी?

– सबसे पहले कांच का गिलास लें और इसमें 2–3 बर्फ के टुकड़े डालें।

– अब आप गिलास में 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस और चीनी या शहद डालें।

– इसके बाद आधा छोटा चम्मच सीक्रेट जीरा शिकंजी मसाला पाउडर मिलाएं।

– ऊपर से ठंडा पानी या प्लेन सोडा वाटर डालें। फिर चम्मच की मदद से सभी चीजों को मिला लें और तैयार आपकी शिंकजी।

सिर्फ कुंडली के भरोसे न कर लें शादी, पार्टनर के साथ इन बातों का मेल होना भी है जरूरी

भारतीय समाज में शादी से पहले कुंडली मिलान को काफी महत्व दिया जाता है। कई परिवार मानते हैं कि ग्रह–नक्षत्रों का सही मेल वैवाहिक जीवन को सुखी और सफल बना सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि केवल कुंडली के आधार पर जीवनसाथी का चुनाव करना पर्याप्त नहीं है। एक मजबूत और लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते के लिए दोनों लोगों की सोच, मूल्य, आदतें और भविष्य को लेकर दृष्टिकोण का मेल होना भी बेहद जरूरी है।

खुशहाल जीवन को लेकर क्या है आपकी सोच?

शादी से पहले यह समझना जरूरी है कि दोनों लोगों के लिए खुशहाल जीवन का मतलब क्या है। कुछ लोग करियर और आर्थिक सफलता को प्राथमिकता देते हैं, जबकि कुछ परिवार और व्यक्तिगत जीवन को ज्यादा महत्व देते हैं। अगर दोनों की प्राथमिकताएं बिल्कुल अलग हों, तो आगे चलकर रिश्ते में तनाव पैदा हो सकता है। इसलिए अपने सपनों, लक्ष्यों और जीवन की अपेक्षाओं पर खुलकर बात करना जरूरी है।

प्यार और रिश्तों को लेकर क्या है नजरिया?

हर व्यक्ति प्यार और रिश्तों को अलग–अलग तरीके से समझता है। किसी के लिए प्यार का मतलब साथ में समय बिताना हो सकता है, तो किसी के लिए सम्मान और भरोसा सबसे महत्वपूर्ण हो सकता है। शादी से पहले यह जानना जरूरी है कि आपका पार्टनर रिश्ते में संवाद, भरोसे और भावनात्मक जुड़ाव को किस नजरिए से देखता है।

परिवार से जुड़ी अपेक्षाओं पर करें चर्चा

शादी केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का भी रिश्ता होती है। इसलिए परिवार की भूमिका को लेकर पहले से स्पष्टता होना जरूरी है। शादी के बाद माता–पिता के साथ रहना है या अलग, बच्चों को लेकर क्या योजनाएं हैं और पारिवारिक फैसलों में परिवार का कितना हस्तक्षेप होगा, जैसे विषयों पर पहले ही बात कर लेना भविष्य के कई विवादों से बचा सकता है।

मतभेद होने पर कैसा होता है व्यवहार?

हर रिश्ते में कभी न कभी मतभेद होना स्वाभाविक है। लेकिन असली बात यह है कि दोनों लोग उन मतभेदों को कैसे संभालते हैं। शादी से पहले यह समझना जरूरी है कि आपका पार्टनर गुस्से, तनाव या असहमति की स्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देता है। क्या वह बातचीत करके समस्या सुलझाने की कोशिश करता है या बातों को टाल देता है? यह जानना रिश्ते की मजबूती के लिए बेहद अहम है।

पैसों और जिम्मेदारियों को लेकर क्या है सोच?

आर्थिक मामलों को लेकर स्पष्ट बातचीत करना भी बहुत जरूरी है। खर्च करने की आदत, बचत की योजना, भविष्य के वित्तीय लक्ष्य और घर की जिम्मेदारियों को लेकर दोनों की सोच एक–दूसरे से कितनी मेल खाती है, यह रिश्ते पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है। पैसों को लेकर होने वाले विवाद कई रिश्तों में तनाव का कारण बनते हैं।

रोजमर्रा की आदतों को भी समझें

शादी के बाद छोटी–छोटी आदतें भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। समय की पाबंदी, घर के कामों में सहयोग, तनाव को संभालने का तरीका और दूसरों के प्रति व्यवहार जैसी बातें रिश्ते को मजबूत या कमजोर बना सकती हैं। इसलिए सिर्फ अच्छे पलों को देखकर फैसला न करें, बल्कि एक–दूसरे की आदतों और व्यवहार को भी समझने की कोशिश करें। कुंडली मिलान कई परिवारों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन एक सफल और खुशहाल शादी सिर्फ ग्रह–नक्षत्रों के मेल पर निर्भर नहीं करती। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए विचारों, मूल्यों, अपेक्षाओं और जीवन के लक्ष्यों का मेल होना भी उतना ही जरूरी है। शादी से पहले जितनी ईमानदारी और खुलकर बातचीत होगी, भविष्य का रिश्ता उतना ही मजबूत और सुखद बन सकता है।

तंबाकू से ज्यादा खतरनाक है तुलसी, लौंग, दालचीनी वाली सिगरेट, हर्बल के नाम पर लोगों से हो रहा धोखा

प्राकृतिक, तंबाकू–रहित और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी वैकल्पिक उत्पाद के रूप में बेची जाने वाली हर्बल सिगरेट सामान्य तंबाकू वाली सिगरेट की तुलना में अधिक नुकसान पहुंचा सकती है। यह दावा एक शोध रिपोर्ट में किया गया है। इसमें कहा गया है कि हर्बल सिगरेट से निकलने वाला धुआं तंबाकू वाली सिगरेट से निकले धुएं जितना या उससे भी अधिक हानिकारक हो सकता है। यह शोध जर्नल ऑफ हजार्डस मटीरियल्स में प्रकाशित हुआ है और इसमें शोधकर्ताओं ने भारतीय बाजारों में उपलब्ध हर्बल और तंबाकू वाले सिगरेट के धुएं के भौतिक, रासायनिक व ऑक्सीडेटिव गुणों की विस्तृत तुलना की है। शोध के लेखक समीर पटेल ने कहा–हमारे शोध निष्कर्ष इस व्यापक धारणा को चुनौती देते हैं कि तंबाकू रहित होने का अर्थ जोखिम से मुक्त होना होता है।

शोधकर्ताओं ने भारत के दो सबसे अधिक बिकने वाले तंबाकू ब्रांड और तुलसी, लौंग, दालचीनी, पुदीना, ग्रीन टी, वॉटर लिली और कैमोमाइल जैसे मिश्रण वाली चार लोकप्रिय हर्बल सिगरेटों से निकलने वाले धुएं की तुलना की। पटेल ने कहा, हर्बल सिगरेटों से निकलने वाला धुआं लगभग हर मापदंड पर तंबाकू सिगरेटों के बराबर या उनसे अधिक पाया गया। पत्तों में लिपटी हर्बल किस्में सबसे अधिक हानिकारक पाई गईं। टीम ने पाया कि इनमें से दो हर्बल ब्रांड में तेंदू पत्तों का उपयोग किया गया है, जो भारत में सबसे अधिक सेवन किए जाने वाले बीड़ी उत्पादों में भी इस्तेमाल होते हैं। शोधकर्ताओं ने लिखा–हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि हर्बल सिगरेट से उत्सर्जित धुआं तंबाकू वाली सिगरेटों से निकलने वाले धुएं के बराबर या उससे भी अधिक घातक होता है, जो यह दर्शाता है कि ये उनकी तरह ही हानिकारक हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि 500 नैनोमीटर से छोटे कणों की मात्रा हर्बल सिगरेटों में तंबाकू सिगरेटों की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक पाई गई। ये सूक्ष्म कण हृदय और श्वसन रोगों से जुड़े होते हैं।

गर्मी में चिपचिपाहट से बाल हो रहे खराब? ये हल्के तेल लौटाएंगे खोई हुई चमक

हर किसी की यह चाहत होती है कि उनके बाल लंबे, घने और शिल्की हों। ऐसे में हर मौसम में बालों का खास ध्यान रखना चाहिए। वहीं बालों को घना और लंबा बनाने के लिए और जड़ों को गहराई से पोषण देने के लिए बालों की ऑयलिंग की जाती है। लेकिन गर्मियों के मौसम में बालों में तेल लगाने से लोगों को चिपचिपाहट महसूस होती है। ऐसे में आप इस समस्या से बचने के लिए हल्के ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गर्मी और चिपचिपाहट के मौसम में कौन सा हेयर ऑयल सबसे बेहतर होता है।

कौन से ऑयल लगाना चाहिए

गर्मी के मौसम में बालों के लिए सबसे अच्छे ऑयल वह माने जाते हैं, जो हल्के और चिपचिपे महसूस नहीं होते हैं। यह ऑयल स्कैल्प में तेजी से एब्जॉर्ब होते हैं, जोकि बालों को ऑयली और भारी दिखाए बिना हेल्दी रखने में मदद करते हैं। वहीं उमस भरे मौसम में कई लोग कम मात्रा में नारियल तेल, जोजोबा ऑयल, आर्गन ऑयल जैसे तेलों को लगाया जा सकता है।

जोजोबा ऑयल

इस ऑयल को सबसे हल्के बालों के तेलों के रूप में से एक माना जाता है। क्योंकि इसकी बनावट एक तरह से स्कैल्प के अपने नेचुरल तेल से मेल खाता है। यह स्कैल्प को नमी देने के साथ पोर्स को भी नहीं बंद करता है। जिससे ज्यादा चिपचिपापन महसूस नहीं होता है। यह ऑयल उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जिनकी ऑयली स्कैल्प है, जिनको डैंड्रफ की समस्या है। या जिन लोगों को पसीने से जलन या दिनभर की थकान के बाद स्कैल्प पर दिखने वाली रेडनेस हो जाती है।

संक्षिप्त

जोडर को हराकर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को युवा खिलाड़ी राफेल जोडर पर 7–6 (3) 6–1 6–3 से शानदार जीत दर्ज करते हुए फ्रेंच ओपन में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। इसी के साथ वह छह साल में पांचवीं बार रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ज्वेरेव को कड़ी टक्कर मिली, लेकिन उन्होंने 2–5 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट के क्वार्टर–फाइनल में पहुंचने और इस सीजन में क्ले कोर्ट पर 19 जीत के साथ सबसे आगे रहने के बावजूद, 19 साल का यह खिलाड़ी पहला सेट जीतने की राह पर लग रहा था, उन्होंने सर्व तोड़कर 5–2 की बढ़त बना लीय लेकिन ज्वेरेव की काबिलियत काम आई, और जर्मन खिलाड़ी ने अगले छह में से पांच गेम जीतकर मैच को टाई–ब्रेक तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव तेजी से 3–3 की बराबरी पर पहुंचे और फिर लगातार चार प्वाइंट्स जीतकर सेट अपने नाम कर लिया। वहां से ज्वेरेव पूरी तरह हावी हो गए। अपनी पहली सर्व पर 71 प्रतिशत प्वाइंट्स जीतकर और जोरदार फोरहैंड लगाते हुए, उन्होंने दूसरे सेट में 1–1 की बराबरी से लगातार सात गेम जीते और दो सेट की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इस साल ज्वेरेव ने यहां पांच मुकाबलों में सिर्फ एक सेट गंवाया है, और अब जब जानिक सिनर और नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गज टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, तो ज्वेरेव खुद को अपने पहले ग्रैंड स्लैम का प्रबल दावेदार मान सकते हैं। ज्वेरेव का अगला मुकाबला या तो याकूब मेन्सिक से होगा या फिर जोआओ फोंसेका से होगा। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, श्यह काफी मुश्किल था। पहले सेट में वह लय में थे। मैं बहुत पीछे था और बहुत ज्यादा डिफेंसिव खेल रहा था। गेंद उतनी ऊंची नहीं उछल रही थी, इसलिए मुझे थोड़ा ज्यादा सीधा खेलना पड़ा। मैं आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं टूर्नामेंट में बने रहना चाहता हूं। मैं उन मुकाबलों को जीतना चाहता हूं, जिन्हें मैं (पहले) नहीं जीत पाया था। यही मेरा लक्ष्य है। मुझे लगता है कि आज एक बहुत ही अच्छे खिलाड़ी के खिलाफ मेरा बहुत कड़ा इम्तिहान था। मैं इसमें कामयाब रहा, मैं जीत गया। मैं सेमीफाइनल में पहुंचकर खुश हूं।

आरबीआई एमपीसी की बैठक आज से : ब्याज दरें स्थिर रहने की उम्मीद, महंगाई और वृद्धि पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हुई। इसके फैसलों का एलान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून को करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण केंद्रीय बैंक इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को नीतिगत फैसलों की घोषणा करेंगे। यह समीक्षा पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव से आर्थिक परिदृश्य जटिल हुआ है। अधिकांश अर्थशास्त्रियों को ब्याज दरें स्थिर रहने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक चुनौतियों के कारण आरबीआई का बयान अधिक सतर्क हो सकता है। एचएसबीसी की प्रांजुल भंडारी के अनुसार, निकट भविष्य में दरें स्थिर रहेंगी, पर बाद में सख्ती संभव है। बाजार 2026 की चौथी तिमाही से दो बार दर कटौती की संभावना देख रहा है। भंडारी ने कहा कि आरबीआई के संशोधित आर्थिक अनुमानों पर विशेष ध्यान रहेगा। खासकर कच्चे तेल की औसत कीमत के अनुमान पर नजर रहेगी। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने भी ब्याज दरों में यथास्थिति बनाए रखने का अनुमान जताया है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि ब्रेंट क्रूड की कीमतों में नरमी से आरबीआई को राहत मिली है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट बताती है कि कम मानसून और ईंधन की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ी है। थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर अपेक्षा से अधिक तेजी से पड़ सकता है। फिलहाल महंगाई आपूर्ति पक्ष के कारण बढ़ रही है, मांग बढ़ने से नहीं। यदि तेल की कीमतों का आधारभूत अनुमान बढ़ता है, तो महंगाई का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़कर करीब 5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। केयरएज रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026–27 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह अनुमान 90 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल की औसत कीमत पर आधारित है। यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ता है और तेल 110 डॉलर प्रति बैरल पहुंचता है, तो वृद्धि दर 6 प्रतिशत तक गिर सकती है। एसबीआई रिसर्च ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान दिया है।

भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि छह महीने के उच्चतम स्तर पर, मई महीने में दिखा जोरदार उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में छह महीने के उच्चतम स्तर 59.8 पर पहुंच गई है। मजबूत मांग, नए ग्राहकों और नए कारोबार में लगातार सुधार से यह उछाल आया है। एक मासिक सर्वेक्षण ने बुधवार को यह जानकारी दी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर 59.8 हो गया। यह पिछले नवंबर के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है। 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार और 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बताया कि नए कारोबार में लगातार वृद्धि से सेवा क्षेत्र में विस्तार हुआ है। भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की बाहरी मांग भी तेजी से बढ़ी है। अप्रैल में तेज गिरावट के बाद इसमें सुधार देखा गया है। इनपुट लागत में कमी से बिक्री कीमतों पर दबाव कम हुआ है। निजी क्षेत्र की कंपनियों को मिले नए ऑर्डर छह महीने में सबसे तेज गति से बढ़े। कुल बिक्री कीमतें जनवरी के बाद से सबसे कमजोर दर से बढ़ीं। मई के दौरान माल ढुलाई, डिजिटल समाधान, ई–कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग ने नए कारोबार की वृद्धि को बढ़ावा दिया।

अक्तूबर से दिसंबर तक, 40 दिनों में भारत के खिलाफ 12 मैच खेलेगा न्यूजीलैंड, NZC ने जारी किया शेड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026–27 का कार्यक्रम जारी कर दिया। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण भारत का न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे मेजबान देश के इतिहास के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरों में से एक माना जा रहा है। भारतीय टीम 22 अक्तूबर से एक दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड में रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच कुल 12 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं। करीब 40 दिनों तक चलने वाला यह दौरा पांच प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने इस दौरे को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, श्यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा।श न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौरे को समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों से चले आ रहे खेल संबंधों को समर्पित बताया गया है।

भारत का दौरा पांच मैचों की टी20 सीरीज से शुरू होगा। पहला और दूसरा टी20 क्रमशः 22 और 24 अक्तूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद तीसरा टी20 27 अक्तूबर को वेलिंगटन में होगा, जबकि चौथा मुकाबला 30 अक्तूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम टी20 मैच एक नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में आयोजित होगा।

टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने–सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को

माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

दौरे का समापन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगा। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के प्रतिष्ठित बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा।

स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सत्रों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक प्रसारण साझेदार बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा आकर्षण है और इसे दर्शकों के लिए यादगार प्रसारण अनुभव बनाने की तैयारी की जा रही है। दौरे के लिए टिकटों की भारी मांग की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशंसकों को अगस्त में शुरू होने वाली विशेष प्री–सेल के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई बड़े मुकाबले देखने को मिले हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी20 विश्व कप फाइनल जैसी प्रतियोगिताओं में दोनों टीमों की टक्कर चर्चा का विषय रही है। ऐसे में 2026 का यह लंबा दौरा क्रिकेट फैंस के लिए एक और रोमांचक अध्याय लिख सकता है।

क्या रो–को के साथ खेलने का सपना होगा पूरा ? टीम इंडिया में पहली बार चुने गए हर्ष दुबे ने कही यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में पहली बार चुने गए बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर हर्ष दुबे इन दिनों बेहद उत्साहित हैं। विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले दुबे को चयनकर्ताओं ने उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम दिया है। रणजी ट्रॉफी 2024–25 में विदर्भ की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दुबे ने 2025 में टीम को विजय हजारे ट्रॉफी का पहला खिताब भी दिलाया था। अब उन्हें भारत की वनडे टीम में मौका मिला है, जहां वह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ के साथ तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं।

हर्ष दुबे ने कहा कि किसी भी युवा क्रिकेटर की तरह उनके लिए भी विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलना एक बड़ा सपना है। उन्होंने कहा, श्अगर आप किसी युवा क्रिकेटर से पूछेंगे कि वह इस समय किन खिलाड़ियों के साथ खेलना चाहता है, तो सबसे पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा का नाम आएगा। मैं उन्हें बचपन से खेलते हुए देखता आया हूं। जब से मैंने क्रिकेट को समझना शुरू किया, तब से वे भारत के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और विश्व क्रिकेट पर राज कर रहे हैं। ऐसे में उनके साथ खेलने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

दुबे ने आगे कहा, श्मैं हमेशा चाहता था कि उनके संन्यास लेने से पहले या उनके करियर के अंतिम दौर में कम से कम किसी एक दिग्गज के साथ खेलने का मौका मिले। अगर मुझे उनके साथ एक भी मैच खेलने का अवसर मिला तो वह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा होगा। युवा ऑलराउंडर ने बताया कि उन्हें

उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी भारतीय टीम से बुलावा आ जाएगा। उन्होंने कहा, श्सच कहूं तो जब मेरा नाम श्रीलंका–ए वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए आया, तब मुझे लगा कि मैं अभी टीम इंडिया की योजनाओं में नहीं हूं। इसलिए मैंने खुद से कहा कि फिलहाल आईपीएल पर ध्यान देना है। मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मेरा नाम भारतीय टीम के लिए भी आ सकता है, वह भी दोनों प्रारूपों में। दुबे ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें अपने चयन की जानकारी मिली। उन्होंने कहा, श्हम एयरपोर्ट पहुंचे थे और पता चला कि फ्लाइट एक घंटे लेट है।

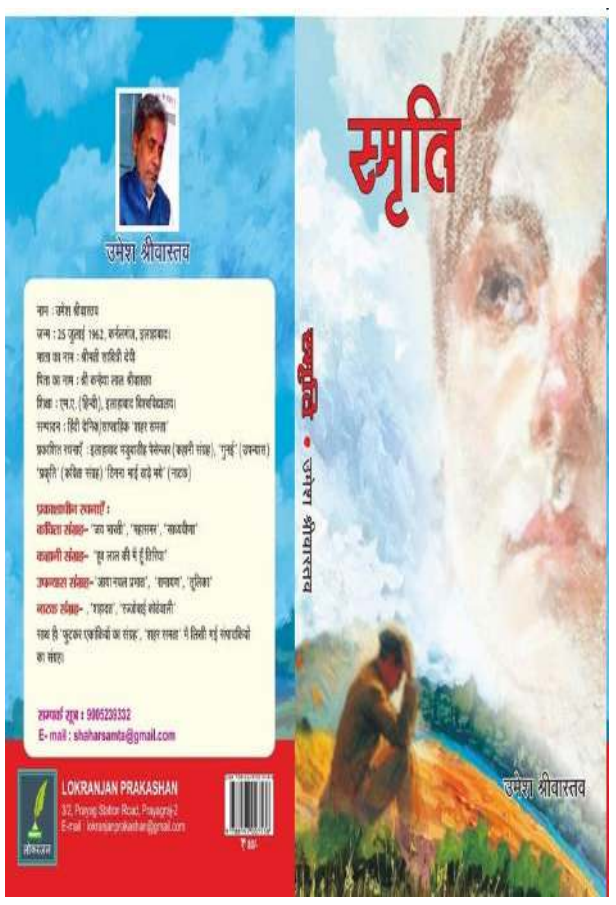

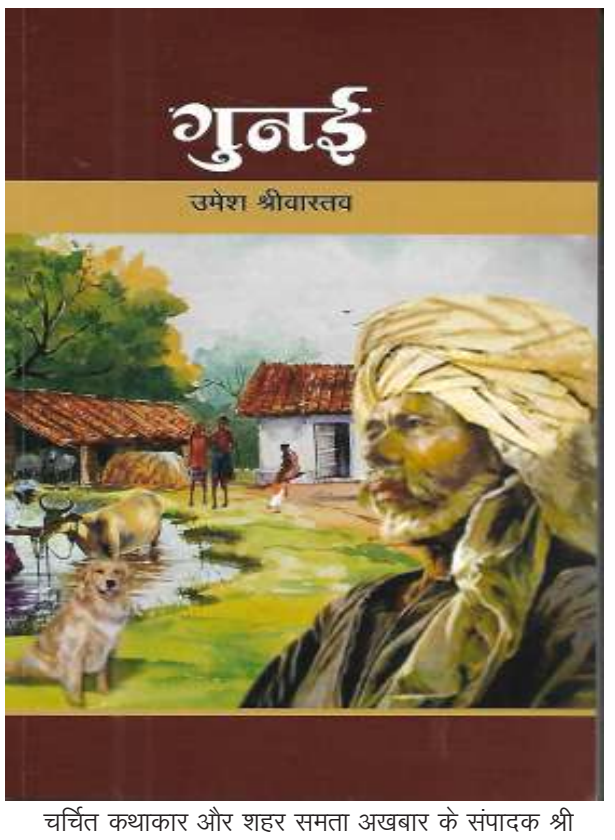

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

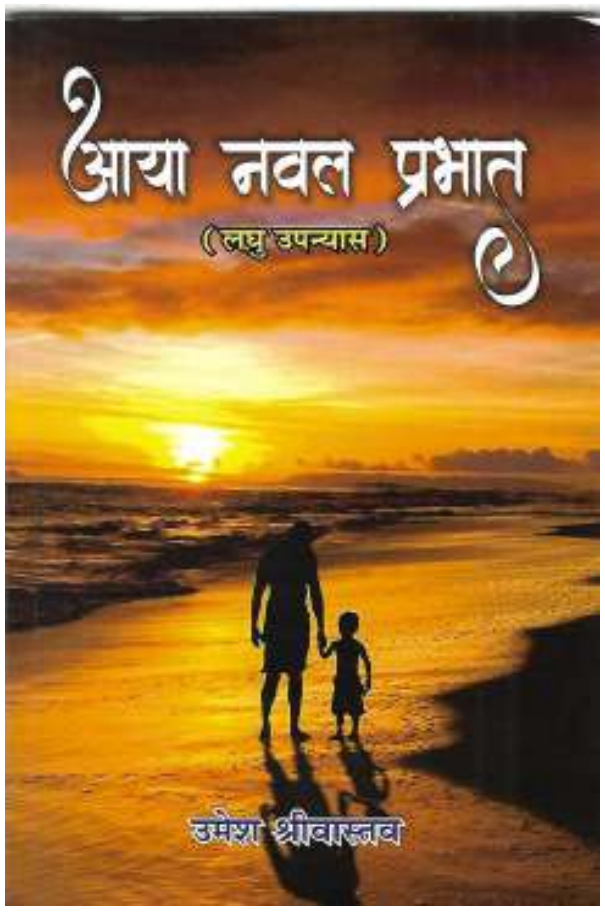

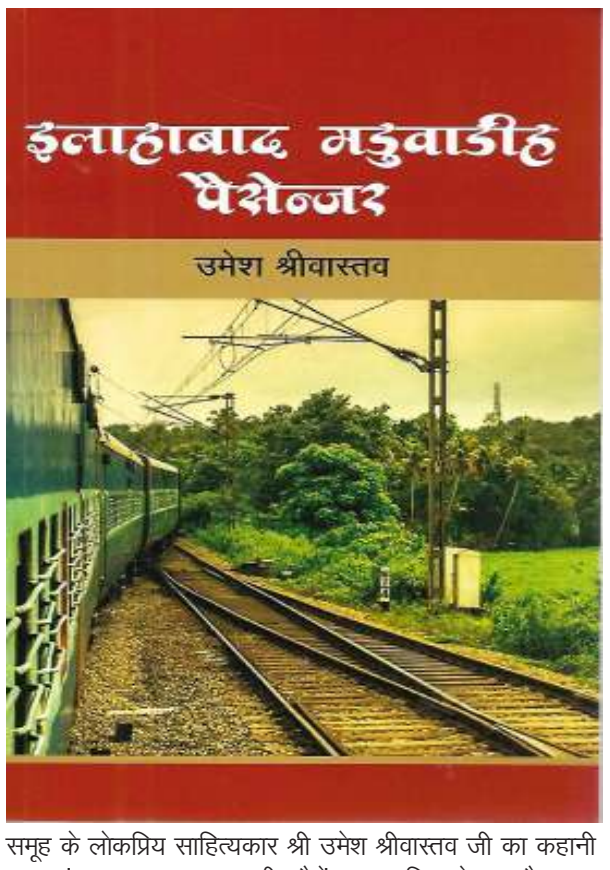

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

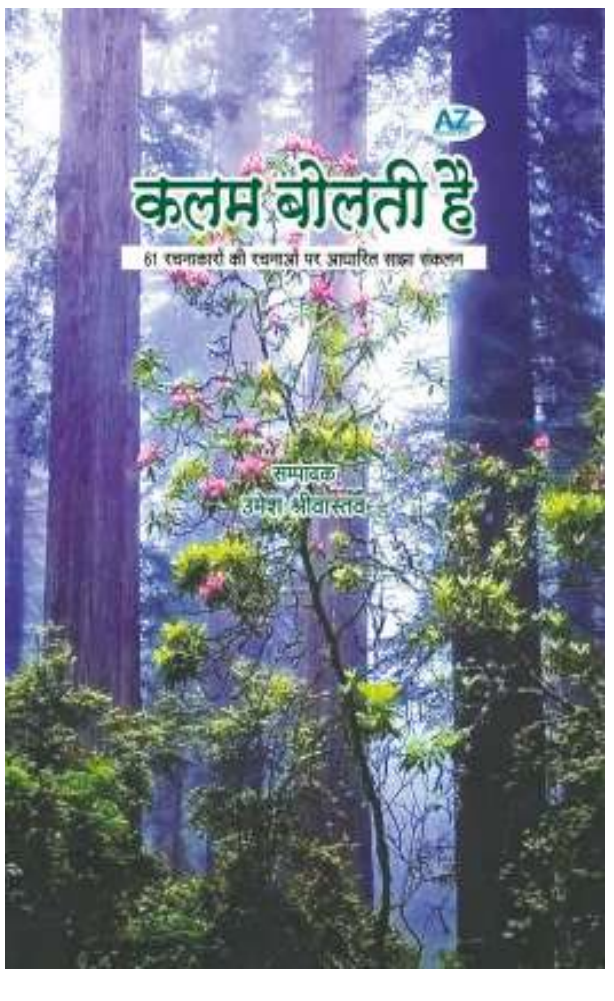

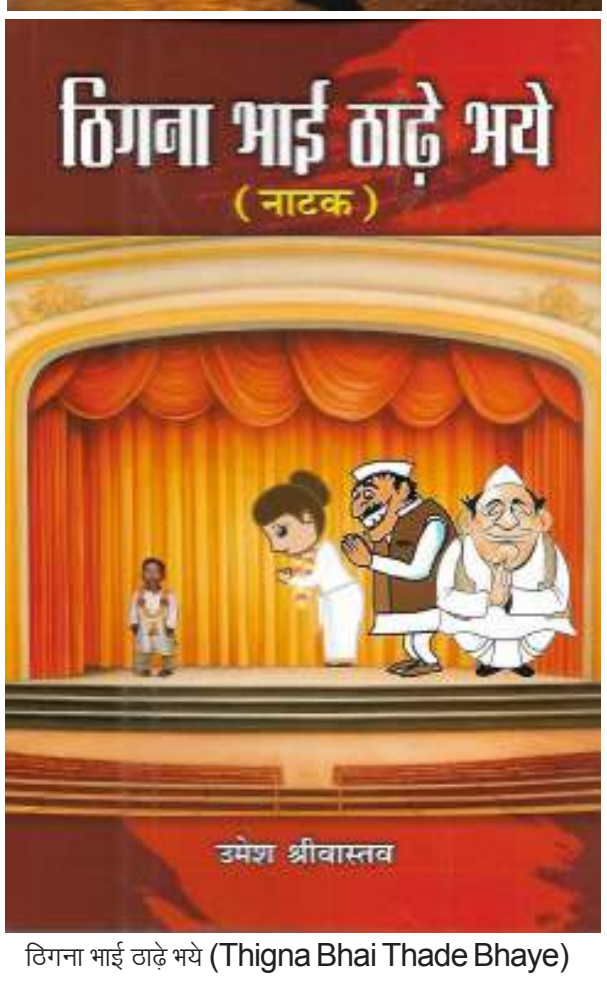

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट

सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम शटिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्टश है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था। अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं। रिपोर्ट में सरकारी जानकारी के साथ–साथ दूसरे स्वतंत्र स्रोतों की जानकारी भी शामिल होगी। साथ ही यह भी सुझाव दिए जाएंगे कि अमेरिका क्या कदम उठा सकता है, जैसे कि प्रतिबंध, वीजा रोकना या कूटनीतिक कार्रवाई करना। क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उइगर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति शृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति के सामने गवाही देते हुए रूबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण खनिजों को अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार और प्रौद्योगिकी

तक सीमित नहीं है, बल्कि रणनीतिक संसाधनों तक भी फैल चुकी है। मार्को रूबियो ने कहा, ष्दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।ष उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं। रूबियो ने कहा, ष्दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।ष उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

क्या मोजतबा खामेनेई जिंदा हैं? : मार्को रूबियो का बड़ा खुलासा, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने को लेकर कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका–इस्राइल के हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की कमान सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई संभाल रहे हैं। हालांकि, हमलों के बाद से अब तक मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। इसकी वजह से मोजतबा के जिंदा होने पर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि, अमेरिका ने मानना है कि मोजतबा खामेनेई के ईरान के फैसले लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने के संकेत मिल रहे हैं।

अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रूबियो ने अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति के सामने कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता के महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश करते ही मोजतबा खामेनेई ईरान के शासन संबंधी मामलों में तेजी से सक्रिय हो रहे हैं। सीनेट की सुनवाई के दौरान सांसदों ने ट्रंप प्रशासन से ईरान नीति, परमाणु वार्ता के भविष्य और इस वर्ष अमेरिका–इस्राइल युद्ध के बाद मध्य पूर्व में पैदा हुए हालात को लेकर सवाल पूछे थे।

इनका जवाब देते हुए मार्को रूबियो ने कहा, ष्मुझे लगता है कि ऐसे संकेत हैं कि वह किसी स्तर पर अधिक सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। हालांकि उनके सभी संदेश लिखित रूप में और मध्यस्थों के जरिए आए हैं।ष गौरतलब है कि ईरानी अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि अमेरिका–इस्राइल के हमलों में मोजतबा खामेनेई घायल हुए थे। एक ईरानी अधिकारी ने बताया था कि उन्हें केवल मामूली चोटें आई थीं और वह अब भी सरकारी मामलों में सक्रिय हैं।

ईरान वार्ता को लेकर स्थिति अस्पष्ट

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर असमंजस बना हुआ है। अमेरिका और ईरान की ओर से वार्ता की स्थिति को लेकर मंगलवार को अलग–अलग संकेत मिले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते अब भी खुले हैं, जबकि कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि वार्ता रुक गई है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, ष्यह फर्जी और गलत खबर है कि ईरान और अमेरिका ने कुछ दिन पहले बातचीत बंद कर दी है। हमारे बीच बातचीत लगातार जारी रही है, जिसमें चार दिन पहले, तीन दिन पहले, दो दिन पहले, एक दिन पहले और आज भी शामिल है।ष हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि बातचीत सफल होगी

इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

तेहरान बोला– नहीं हुई कई दिनों से बातचीत

हालांकि, ईरान से जुड़े मीडिया संस्थानों ने अलग तस्वीर पेश की है। सरकारी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी अधिकारी अभी भी अमेरिका के नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं और कई दिनों से अमेरिकी वार्ताकारों से उनकी सीधी बातचीत नहीं हुई है। रॉयटर्स के अनुसार, तेहरान में अविश्वास अब भी गहरा है।

ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि वॉशिंगटन ने अप्रैल में हुए युद्धविराम समझौते के महत्वपूर्ण हिस्सों का पालन नहीं किया। इसी कारण वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिशें जटिल बनी हुई हैं, हालांकि दोनों पक्ष कूटनीतिक संवाद जारी रखने की इच्छा जता रहे हैं।

कहां अटकी है शांति वार्ता?

अमेरिका की ओर से दिए गए प्रस्ताव में ईरान का परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की बात शामिल है। मार्को रूबियो ने सांसदों से कहा कि ईरान अब अपने परमाणु कार्यक्रम के कुछ पहलुओं पर चर्चा करने के लिए तैयार दिख रहा है, जिन पर वह कुछ सप्ताह या कुछ वर्ष पहले तक बात करने को भी तैयार नहीं था।

उन्होंने कहा, ष्ईरान के साथ अमेरिकी वार्ता में उनके परमाणु कार्यक्रम के ऐसे पहलू शामिल हो सकते हैं, जिनका जिक्र करने से भी वे एक महीने पहले या एक साल पहले तक इनकार करते थे।ष हालांकि उन्होंने आगाह किया कि इससे किसी समझौते की गारंटी नहीं मानी जानी चाहिए।

होर्मुज खोलने पर अमेरिका नहीं देगा ईरानी प्रतिबंधों में ढील

मार्को रूबियो ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार का समाधान करना अमेरिका की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। सुनवाई के दौरान रूबियो ने साफ किया कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के बदले ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार नहीं कर रहा है। रूबियो ने कहा कि प्रतिबंधों से किसी भी प्रकार की राहत सीधे तौर पर ईरान की परमाणु गतिविधियों से जुड़ी होगी।

उन्होंने कहा, षफिलहाल जो भी चर्चा हुई है, उसमें प्रतिबंधों में राहत शर्तों के आधार पर ही संभव है। यानी जिन कारणों से प्रतिबंध लगाए गए थे, उसी के समाधान के बदले राहत दी जा सकती है और वह कारण उनका परमाणु कार्यक्रम है।ष उन्होंने कहा, ष्ईरान पर प्रतिबंध इसलिए लगाए गए हैं क्योंकि उसने उच्च स्तर पर यूरेनियम संवर्धन किया है। अगर वह इन गतिविधियों को छोड़ने पर सहमत होता है, तो उसके वादों और समझौतों के पालन के बदले प्रतिबंधों में राहत दी जा सकती है।

थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा को मिली शाही माफी, पैरोल खत्म होने से पहले ही मिल गई रिहाई

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने बुधवार को अपनी जेल की सजा से जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप से पूरा कर लिया। शाही माफी मिलने के बाद उनकी चार महीने की पैरोल समय से पहले खत्म कर दी गई।

दो दशकों से अधिक समय तक थाई राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्ति रहे 76 वर्षीय अरबपति और लोकप्रिय नेता को पिछले महीने बैंकॉक की जेल से रिहा किया गया था। तब से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि वह सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा फिएउ थाई पार्टी पर अपना मजबूत प्रभाव जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनके परिवार ने कहा है कि वह राजनीति से पीछे हटना चाहते हैं।

थाईलैंड के राजा महा वाचिरालोंगकोन द्वारा जारी किया गया माफी आदेश मंगलवार देर रात रॉयल गजट में प्रकाशित हुआ। यह बुधवार को प्रभावी हो गया। थाईलैंड एक सांविधानिक राजशाही है, जिसमें राजा को दोषी अपराधियों की माफी पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार है।

राजा का यह निर्णय रानी सुतिदा के जन्मदिन के अवसर पर लिया गया था। यह विशिष्ट शर्तों को पूरा करने वाले योग्य दोषियों पर व्यापक रूप से लागू हुआ। थाकसिन पूर्ण रिहाई के लिए योग्य थे, क्योंकि उन्हें पैरोल पर रिहा किया गया था और उनकी सजा में एक वर्ष से कम का समय बचा था।

थाकसिन एक दूरसंचार दिग्गज थे, जिन्होंने 1998 में अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, जब एक सैन्य तख्तापलट ने उन्हें विदेश में रहते हुए सत्ता से बेदखल कर दिया था।

शिनावात्रा के सत्ता से बेदखल होने के लगभग दो दशकों तक राजनीतिक ध्रुवीकरण जारी रहा। हालांकि उनके स्वनिर्वासित काल में भी उनसे जुड़े दल बार–बार सत्ता में लौटते रहे। उनकी लोकलुभावन नीतियों को गरीब मतदाताओं (विशेष रूप से ग्रामीण उत्तरी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में) का भरपूर समर्थन मिला। लेकिन उनकी लोकप्रियता और कभी–कभी उनके कठोर रवैये ने उनके समर्थकों और देश के शहरी अभिजात वर्ग, राजशाही समर्थकों और सेना के बीच गहरी दरारें पैदा कर दीं।

थाकसिन को भ्रष्टाचार से संबंधित आरोपों के लिए एक साल की सजा के आठ महीने काटने के बाद 11 मई को रिहा किया गया था। उनकी पैरोल की शर्तों के तहत, उन्हें एक इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना आवश्यक था और मूल रूप से उन्हें चार महीने की पैरोल पर रहने का कार्यक्रम था।

शिनावात्रा के वकील ने एसोसिएटेड प्रेस को पुष्टि की कि थाकसिन अपने कानूनी दायित्वों से पूरी तरह मुक्त हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके ब्रेसलेट को हटाने के लिए कुछ प्रक्रियाएं हैं, जिनमें कई दिन लग सकते हैं। उन्हें अपने स्वयं के व्यावसायिक हितों को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पद का इस्तेमाल करने और सरकार को नुकसान पहुंचाने वाली एक राज्य लॉटरी परियोजना को अवैध रूप से मंजूरी देने से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल भेजा गया था।

उन्हें मूल रूप से 2023 में आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन राजा द्वारा सजा को एक साल तक कम कर दिया गया था। उन्हें चिकित्सा आधार पर बैंकॉक के पुलिस अस्पताल के एक कमरे से इसे पूरा करने की अनुमति दी गई थी। अनुचित विशेष व्यवहार प्राप्त करने के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 में थाकसिन को जेल में अपनी सजा काटने का आदेश दिया था।

क्या एक और हमले की तैयारी कर रहा अमेरिका?, रूबियो का आरोप– यूएस के खिलाफ गतिविधियों का केंद्र बना क्यूबा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने क्यूबा को विफल देश बताते हुए उसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ता हुआ खतरा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूबा में चीन और रूस की खुफिया गतिविधियां चल रही हैं और क्यूबा पूरे लैटिन अमेरिका में अमेरिका–विरोधी गतिविधियों को समर्थन देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर बनी संसदीय उपसमिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा कि क्यूबा की आर्थिक बदहाली और अमेरिका के विरोधी देशों के साथ उसके करीबी रिश्ते, पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी हितों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं।

रूबियो ने कहा कि दशकों

की खराब आर्थिक नीतियों और कुप्रबंधन की वजह से क्यूबा का आर्थिक मॉडल लगभग टूट चुका है। उनके मुताबिक, देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब नागरिक संस्थाओं के बजाय सेना से जुड़े संगठनों के नियंत्रण में है। उनके अनुसार, सेना की ओर से नियंत्रित संस्थाओं के पास काफी संपत्तियां होने के बावजूद क्यूबा लंबे समय से ईंधन और बिजली की भारी कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो दशकों में बड़ी संख्या में लोग क्यूबा छोड़कर चले गए हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है और कुशल लोगों की संख्या भी कम हो गई है।

रूबियो का कहना है कि चीन और रूस के साथ क्यूबा के रणनीतिक संबंध, अमेरिका की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा हैं। उन्होंने कहा, श्चीन और रूस, क्यूबा से अमेरिका के दक्षिण–पूर्वी हिस्से को निशाना बनाकर खुफिया जानकारी जुटा रहे हैं।श रूबियो ने कहा कि ऐसी गतिविधियों की रिपोर्टें कई बार सामने आ चुकी हैं। उन्होंने क्यूबा को खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और क्षेत्र में राजनीतिक प्रभाव बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक केंद्र बताया।

ईरानी ड्रोन हमले में कुवैत के हवाई अड्डे को भारी नुकसान, उड़ानें निलंबित, कई घायल

कुवैत सिटी, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कई मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कुवैत के हवाई अड्डे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि देश के हवाई अड्डे पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद वाणिज्यिक उड़ानों को निलंबित कर दिया है। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं। मामले में कुवैत विदेश मंत्रालय ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए लगातार हमले किए जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। मंत्रालय के अनुसार तड़के हुए इस हमले में एयरपोर्ट समेत कई महत्वपूर्ण नागरिक ठिकानों और राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा। कुवैत ने इन हमलों को आक्रामक और अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है। कुवैत सरकार ने कहा कि देश की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा रेड लाइन है और इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने संकेत दिया कि वह जवाबी कदमों पर विचार कर रही है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल–ओतैबी ने बताया कि हमले के बाद आपातकालीन सेवाओं और मेडिकल टीमों को तुरंत सक्रिय किया गया। घायलों का इलाज जारी है। इस हमले में इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई व्यक्तियों को चोटें आई हैं। यह ड्रोन हमला ईरान और अमेरिका के बीच मंगलवार देर रात हुए मिसाइल हमलों के बाद हुआ। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन पर दागी गई मिसाइलों के जवाब में केश्म द्वीप पर एक ईरानी सैन्य सुविधा पर हमले किए थे। हालांकि, अमेरिका ने दावा किया कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने बताया कि ईरान ने क्षेत्रीय पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में नाकाम रहीं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इन हमलों के बाद अमेरिका को चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने कहा कि तेहरान के जवाबी हमले अमेरिका के लिए सबक साबित होने चाहिए। आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने पश्चिम एशियाई देशों में रात भर हुए हमलों पर ये बात कही। बयान में कहा गया है, ष्कल देर रात, अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक ईरानी तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला किया, जिससे टैंकर के इंजन कक्ष को नुकसान पहुंचा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।